नई दिल्ली

रविवार, 16 नवंबर 2025

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, द्वादशी वर्ष : 29, अंक : 213

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 26
न्यून. 12

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बीजेपी ने बागी तेवर दिखाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को किया निलंबित

नई दिल्ली (ब्यूरो)। बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और बिहार में पार्टी के नेता आरके सिंह को निलंबित कर दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य में बिजली घोटाले का आरोप लगाने के बाद से ही आरके सिंह और बीजेपी के बीच दूरी बढ़ने के कयास लगने शुरू हो गये थे। पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। उधर, निलंबन का पत्र मिलने के तत्काल बाद सिंह ने बीजेपी की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। बीजेपी के प्रदेश मुख्यालय प्रभारी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि आपके द्वारा चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी बयानबाजी की वजह से परेशानी हुई थी। इसको ध्यान में रखते हुए पार्टी ने यह फैसला लिया है। बीजेपी की ओर से जारी पत्र में आरके सिंह के निलंबित करते लिखा गया है कि आपकी गतिविधियां पार्टी विरोधी हैं। ये अनुशासन के दायरे में नहीं है। इसकी वजह से पार्टी को नुकसान हुआ, पार्टी ने शेष पेज 7 पर

गुजरात के सूरत में प्रधानमंत्री ने कहा बिहार में जातिवादी विचारधारा की हार हुई

कांग्रेस को अब कोई नहीं बचा सकता, बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है: पीएम मोदी

कहा, महिला-युवा का एक ऐसा माई कॉम्बिनेशन बना है, जिसने आने वाली राजनीति का नींव मजबूत कर दी

हरिभूमि ब्यूरो | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव नतीजे के अगले दिन शनिवार को कहा कि बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है। गुजरात के सूरत में उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता ने जातिवाद का जहर फैलाने वालों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि 'मुस्लिम लीगी माओवादी' कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है और अब उसे कोई नहीं बचा सकता, क्योंकि उसके राष्ट्रीय विचारों वाले नेता भी नेतृत्व से दुखी हैं। यह परिणाम बिहार में विकास की राजनीति की जीत और जातिवादी विचारधारा की हार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नया 'माई' फॉर्मूला महिला और युवा हैं, जिन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को निर्णायक जनादेश दिया है।

मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए गठबंधन जो विजयी हुआ है और महागठबंधन जो पराजित हुआ है,दोनों के बीच 10 प्रतिशत वोट का फर्क है, ये बहुत बड़ी बात है। यानी, सामान्य मतदाता ने एकतरफा शेष पेज 7 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके परिजनों का अभिनंदन किया।

जनता ने विकास का रास्ता चुना

मोदी ने कहा कि बिहार में, सार्वजनिक भूमि पर अक्सर अतिक्रमण करके उसे वक्फ संपत्ति बना दिया जाता था। हमने तमिलनाडु में भी ऐसी ही स्थिति देखी, जहाँ सदियों पुराने गाँवों को भी वक्फ घोषित कर दिया गया। तभी हमने वक्फ कानून में सुधार किए। एक नेता जो अब ज़मानत पर बाहर है, अपने सहयोगियों के साथ कानून की प्रतियां फाड़कर कहता था कि वे बिहार में इसे कभी नहीं होने देंगे। लेकिन बिहार की जनता ने इस सांप्रदायिक जहर को पूरी तरह से नकार दिया और विकास का रास्ता चुना।

जनता ने जातिवाद को नकारा

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि जनता ने जातिवाद का जहर उगलने वालों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार की ऐतिहासिक विजय हुई है, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है। इसलिए गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए मेरी स्वाभाविक जिम्मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं।

'नेशन फर्स्ट' हमारी मूलभूत सोच

मोदी ने आगे कहा कि आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में भी काम दिया था तब भी हमारा एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- 'नेशन फर्स्ट'। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है।

मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस अस्वीकार

उन्होंने कहा कि ये मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग, नामदार की हरकतों से दुखी है। कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है।

श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में बड़ा धमाका

9 की मौत, 32 घायल डीजीपी ने कहा- हादसा था...कोई साजिश नहीं

_विस्फोटक फरीदाबाद से नौगाम लाए गए थे_

_गृह मंत्रालय ने कहा धमाके के कारणों की जांच की जा रही_

प्रेस कांफ्रेंस में डीजीपी नलिन प्रभात (मध्य में)

- सीएम उमर का ऐलान, मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 10 लाख
- एलजी मनोज सिन्हा ने दिए जांच के आदेश

एजेंसी | श्रीनगर/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने बताया कि नौगाम पुलिस स्टेशन में हुआ भीषण धमाका पूरी तरह दुर्घटनावश था और इसमें किसी साजिश का मामला नहीं है। इस हादसे में 9 लोगों की मौत और 32 लोग घायल हुए, जबकि धमाके से पुलिस स्टेशन और आसपास की इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। डीजीपी प्रभात ने बताया कि व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल मामले की जांच के दौरान बरामद किए गए विस्फोटक हरियाणा के फरीदाबाद से नौगाम पुलिस स्टेशन लाए गए थे। इन्हें पुलिस स्टेशन के परिसर में खुले स्थान पर सुरक्षित तरीके से रखा गया था। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार इन विस्फोटकों के नमूनों को फोरेंसिक और रासायनिक जांच के लिए भेजना आवश्यक था। बरामद सामग्री की मात्रा अधिक होने की वजह से एफएसएल टीम पिछले दो दिनों से नमूने तैयार कर रही थी। विस्फोटक सामग्री बेहद संवेदनशील और अस्थिर थी, इसलिए टीम पूरी सावधानी से इसका परीक्षण कर रही थी। डीजीपी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11:20 बजे इसी प्रक्रिया के दौरान अचानक धमाका हो गया। नौगाम धमाके पर गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव शेष पेज 7 पर

धमाके में जान गंवाने वालों में कई अधिकारी शामिल

जान गंवाने वालों में एसआईए का एक अधिकारी, एफएसएल टीम के तीन सदस्य, दो क्राइम फोटोग्राफर, दो राजस्व अधिकारी (मजिस्ट्रेट टीम से जुड़े), और एक दर्जी शामिल हैं। धमाके में 27 पुलिसकर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन स्थानीय नागरिक घायल हुए हैं। विस्फोट इतना बड़ा था कि पुलिस स्टेशन की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, और आसपास की कई इमारतों पर भी इसका काफी असर पड़ा है।

पांच दिन पहले लाल किला के पास हुए आतंकी हमले को लेकर किया गया था बंद

लाल किला मेट्रो स्टेशन के दो गेट यात्रियों के लिए खोले, घटना स्थल की बंद सड़क भी खुली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पांच दिन पहले लाल किला के पास हुए आतंकी हमले के बाद बंद किए लाल किला मेट्रो स्टेशन के दो गेट शनिवार को खोल दिए गए। जबकि कार में हुए आतंकी हमले वाली घटना स्थल की सड़क को भी आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने इस बारे में बाकायदा अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर लोगों को जानकारी दी कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 2 और 3 को यात्रियों के लिए खोल दिया है। लेकिन अभी भी गेट नंबर 1 और 4 बंद है। बता दें कि 10 नवंबर 2025 को हुए बम धमाके के बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन के तुरंत बाद गेट नंबर 1 और 4 बंद कर दिए गए थे। बाद सुरक्षा कारणों से 13 नवंबर 2025 को डीएमआरसी ने घोषणा की कि सुरक्षा कारणों से अगले आदेश तक लाल किला मेट्रो स्टेशन यात्रियों के लिए बंद कर दिया गया है। जिसके बाद शनिवार को गेट 2 और 3 को यात्रियों के लिए खोल दिया है। लेकिन अभी भी सुरक्षा कारणों व जांच के चलते गेट नंबर 1 और 4 बंद है। वहीं दूसरी तरफ शनिवार को ही लाल किला धमाके के बाद सुरक्षा कारणों से बंद किए गए घटनास्थल वाली सड़क को भी आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। यह सड़क हमले वाले से लगातार पांच दिन बंद रही। सड़क के खुलने से स्थानीय लोगों के साथ आने जाने वाले लोगों को राहत मिली है।

दिल्ली पुलिस ने अल फलाह विश्वविद्यालय के दो चिकित्सकों समेत तीन को हिरासत में लिया

एजेंसी. नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हरियाणा के अल फलाह विश्वविद्यालय के दो चिकित्सकों समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये चिकित्सक लाल किले के पास विस्फोट करने वाली कार के चालक डॉ. उमर नबी के परिचित थे। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ और विभिन्न केंद्रीय एजेंसी ने शुक्रवार रात हरियाणा के धौज, नूंह और आसपास के इलाकों में समन्वित छापेमारी के दौरान ये गिरफ्तारियां कीं। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम की सहायता से विशेष प्रकोष्ठ ने नूंह से अल फलाह विश्वविद्यालय के दो चिकित्सकों - मोहम्मद और मुस्तकीम-को हिरासत में लिया। उन्होंने बताया कि ये दोनों 'सफेदपोश' आतंकवादी मॉड्यूल की व्यापक जांच के तहत गिरफ्तार किए गए डॉ. मुजम्मिल गनई के कथित तौर पर संपर्क में थे। सूत्रों ने बताया कि वे डॉ. उमर नबी के भी करीबी मित्र थे। उन्होंने बताया कि शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि हिरासत में लिए गए चिकित्सकों में से एक विस्फोट वाले दिन दिल्ली में था। उन्होंने बताया कि वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एक साक्षात्कार के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आया था। उन्होंने बताया कि मोहम्मद एवं मुस्तकीम से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि डॉ. गनई के साथ उनके कितने गहरे संबंध थे और इस व्यापक साजिश में क्या उनकी कोई भूमिका थी। इस बीच नूंह में एक अन्य अभियान में विभिन्न जांच एजेंसी ने बिना लाइसेंस के उर्वरक बेचने के आरोप में दिनेश उर्फ डब्बू नाम के एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया।

उत्तर रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	47-SRDEE-G-DLI-2025-26 व्यापक एएमसीः– i) दिल्ली मंडल में तीन वर्षों के लिए 30 No. जॉनसन मेक लिफ्ट की ii) दिल्ली मंडल के नई दिल्ली, डीईई, डीएसए और एचएनजेडएम स्टेशन पर तीन वर्षों के लिए जॉनसन मेक लिफ्ट की।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 1,31,74,560.00
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 2,15,900.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	09.12.2025, 16:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	09.12.2025, 16:00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली

3555/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नागेंद्र पाल उर्फ मनोज धनकड़, पुत्रः सुखबीर सिंह, पताः ए–5, चौधरी यादराम मार्केट–5, पुस्ता मेन रोड, गामरी एक्सटेंशन, दिल्ली–110053** ने **Ct. No. 448/2020, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नागेंद्र पाल उर्फ मनोज धनकड़** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नागेंद्र पाल उर्फ मनोज धनकड़** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct. No. 448/2020, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अभियुक्त **नागेंद्र पाल उर्फ मनोज धनकड़** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.12.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री मनीषा भाऊ
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (एनआई अधिनियम)
शाहदरा जिला, कमरा नं. जी–5, नई कोर्ट बिल्डिंग
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15419/NE/2025

प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने तेज की कार्रवाई : सिरसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ वसंत कुंज और महिपालपुर क्षेत्र के प्रमुख स्थानों का किया दौरा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने सर्दियों के मौसम में धूल और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जमीनी कार्रवाई और निरीक्षण को तेज कर दिया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वसंत कुंज और महिपालपुर क्षेत्र के कई प्रमुख स्थानों का दौरा कर सफाई, डस्ट कंट्रोल और सड़क स्थिति की समीक्षा के बाद यह बात कही।

मंत्री ने वसंत कुंज, मसूदपुर डेयरी के पास, और महिपालपुर चैक से वसंत वैली स्कूल तक निरीक्षण किया। ये सभी स्थान धूल जमाव, ट्रैफिक कंजेशन और कचरा जमा होने की वजह से संवेदनशील माने जाते रहे हैं। एमसीडी, डीडीए और राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

प्रदूषण के लिए 62 मुख्य स्थानों की हुई पहचान

निरीक्षण के दौरान मंत्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली की प्रदूषण के खिलाफ रणनीति पूरी तरह से डेटा आधारित है। धूल, ट्रैफिक और कचरे की स्थिति को देखते हुए 62 मुख्य स्थानों की पहचान की गई है और इन्हीं बिंदुओं पर काम तेज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सड़क सफाई, डस्ट कंट्रोल और कचरा हटाने के कार्यों को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री अपने साथ सभी स्थानों की पहले की तस्वीरें लेकर पहुंचे थे, ताकि जमीनी स्तर पर यह देखा जा सके कि सफाई कार्यों का कितना असर हुआ है। उन्होंने कचरा उठान की टाइमिंग, मशीनरी उपलब्धता, वाहनों, स्टाफ और स्प्रिंकलर तैनाती की समीक्षा की तथा जहां भी कमी मिली, उसे तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए।

पर्यावरण मंत्री सिरसा ने बताया कि दिल्ली सीमा के पास मौजूद कुछ औद्योगिक इकाइयों के प्रदूषण स्रोतों को लेकर आसपास के राज्यों से समन्वय किया जा रहा है ताकि समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल रोज की सफाई नहीं - यह दिल्ली की लंबे समय से चली आ रही धूल, कचरा और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को मूल रूप से सुधारने का प्रयास है। इसके परिणाम स्थायी और स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे।

आईएसएफ लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : खसरा नं. 10/2 समालका, नई दिल्ली, गुड़गांव रोड, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली, भारत–110037
CIN NO : L74899DL1988PLC076648, Email id: info@isflimited.in, Website: www.isflimited.in

30 सितम्बर 2025 को समाप्त द्वितीय तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रु. लाख)

विवरण	समाप्त तिमाही (समीक्षाकृत) 30.09.2025	समाप्त वर्ष (अंकेक्षित) 31.03.2025	समाप्त तिमाही (समीक्षाकृत) 30.09.2024
प्रचालनों से कुल आय	44.77	178.83	44.58
कर के बाद साधारण गतिविधियों से शुद्ध लाभ	11.38	-0.65	2.14
कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ (असाधारण मदों के बाद)	11.38	-0.65	2.14
इक्विटी शेयर कैपिटल (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 1/- प्रत्येक)	95000000	95000000	95000000
इक्विटी वारंट (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 1/– प्रत्येक 25% भुगतान किया गया)	0	0	0
पूर्ववर्ती लेखा वर्ष (31.03.2025) की बैलेंस शीट के अनुरूप पुनर्मूल्यांकन रिजर्व्स को छोड़कर रिजर्व्स		392.07	
अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) रु. 1/– प्रत्येक के (वार्षिकृत नहीं)	0.0120	-0.0007	0.0023
अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) रु. 1/– प्रत्येक के (वार्षिकृत नहीं)	0.0120	-0.0007	0.0023

टिप्पणी : उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग एवं अन्य घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किये गये तैमाहिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। तैमाहिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स (www.bseindia.com) और कम्पनी की वेबसाइट (www.isflimited.in) पर उपलब्ध है।

कृते आईएसएफ लिमिटेड
हस्ता/–
अंजलि राज
कम्पनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
एम. नं. ए77251

स्थान : नोएडा
दिनांक : 14.11.2025

फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के नवीनीकरण सिस्टम को दिल्ली सरकार ने किया ऑनलाइन

सीएम ने 'पोर्टल फॉर ऑनलाइन रिन्यूअल ऑफ फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट' का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की रेखा सरकार ने सरकारी सिस्टम को डिजिटल करने की प्रक्रिया एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के नवीनीकरण सिस्टम को ऑनलाइन कर दिया है। इसके लिए शनिवार को एक पोर्टल की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री रेखा ने कहा है कि यह कदम दिल्ली सरकार की डिजिटल और पारदर्शी प्रशासन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो राजधानी में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाएगा। फायर सर्टिफिकेट रिन्यूअल के लिए लॉन्च किए गए नए ऑनलाइन पोर्टल को एक बड़ा परिवर्तन बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक प्रमुख संकल्प डिजिटल इंडिया देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। उसी भावना के अनुरूप दिल्ली सरकार भी डिजिटल दिल्ली के लक्ष्य को साकार करने के लिए निरंतर कार्यरत है, ताकि सभी सेवाएं नागरिकों को फेसलेस, पारदर्शी और तकनीक-आधारित स्वरूप में उपलब्ध कराई जा सकें।

मुख्यमंत्री ने रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में 'पोर्टल फॉर ऑनलाइन रिन्यूअल ऑफ फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट' का शुभारंभ किया। इस विशेष कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के गृह व शिक्षा मंत्री आशीष सूद और दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह पोर्टल राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) और दिल्ली सरकार के संयुक्त प्रयासों से विकसित किया गया है, जो दिल्ली में अग्नि सुरक्षा रिन्यूअल प्रक्रिया को मौलिक रूप से पुनर्गठित करता है।

intec CAPITAL LIMITED
SAPNE AAPKE, BHAROSA APNO KA

इंटेक कैपिटल लिमिटेड
CIN: L74899DL1994PLC057410
पंजी. कार्यालय : 708, मंजूषा बिल्डिंग, 57 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली–110019
T-+91-11-46522200/300; F-+91-1146522333 Website: www.inteccapital.com

30 सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु स्टैंडअलोन एवं समेकित अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार

(प्रति इक्विटी शेयर डेटा को छोड़कर रु. लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 30.09.2025 (अअंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 30.06.2025 (अअंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 30.09.2024 (अअंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त अर्ध वर्ष 30.09.2025 (अअंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त अर्ध वर्ष 30.09.2024 (अअंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त वार्षिक 31.03.2025 (अंकेक्षित)	समेकित समाप्त तिमाही 30.09.2025 (अअंकेक्षित)	समेकित समाप्त तिमाही 30.06.2025 (अअंकेक्षित)	समेकित समाप्त तिमाही 30.09.2024 (अअंकेक्षित)	समेकित समाप्त अर्ध वर्ष 30.09.2025 (अअंकेक्षित)	समेकित समाप्त अर्ध वर्ष 30.09.2024 (अअंकेक्षित)	समेकित समाप्त वार्षिक 31.03.2025 (अंकेक्षित)
1	प्रचालनों से कुल आय	83.43	623.09	13.73	706.52	14.92	436.53	83.63	623.29	16.13	706.92	19.72	445.59
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/हानि (कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	(19.92)	520.24	(77.13)	500.32	(199.78)	124.00	(23.96	516.20	(78.93)	492.24	(203.32)	115.88
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	(19.92)	395.86	(77.13)	375.94	(199.78)	124.00	(23.96)	391.82	(78.93)	367.86	(203.32)	115.88
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	(55.93)	301.29	(89.05)	245.36	(218.89)	30.04	(59.97)	297.25	(90.85)	237.28	(222.43)	21.92
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	(56.25)	300.95	(88.52)	244.70	(217.84)	28.70	(60.29)	296.91	(90.32)	236.62	(221.38)	20.58
6	भुगतान किया गया इक्विटी शेयर कैपिटल (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 10/- प्रत्येक)	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63		1,836.63	1,836.63		1,836.63	1,836.63
7	अर्जन प्रति शेयर (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 10/– प्रत्येक) (निरंतर और अनिरंतर प्रचालनों हेतु)	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00		10.00	10.00		10.00	10.00
	1. बेसिक (रु. में) :	(0.30)	1.64	(0.48)	1.34	(1.19)	0.16	(0.33)	1.62	(0.49)	1.29	(1.21)	0.12
	2. डायल्युटेड (रु. में) :	(0.30)	1.64	(0.48)	1.34	(1.19)	0.16	(0.33)	1.62	(0.49)	1.29	(1.21)	0.12

टिप्पणी :-
(1)उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमन 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के पास दायर किये गये अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सार है। वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स अर्थात www.bseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट www.inteccapital.com पर उपलब्ध हैं। (2)उपरोक्त फाइनैंशियल्स की समीक्षा कर ली गई है और ऑडिट कमेटी द्वारा अनुशंसित कर दिये गये तथा तदोपरांत 14 नवम्बर 2025 को आयोजित उनकी बैठकों में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किये गये और रिकार्ड पर लिये गये।

कृते इंटेक कैपिटल लिमिटेड
हस्ता/–
निहारिका गुप्ता
कम्पनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
एम. नं.–ए59325

दिनांक : 14.11.2025
स्थान : नई दिल्ली

अलग-अलग घटनाओं में दो साइबर जालसाज़ गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने ऑनलाइन निवेश घोटालों के ज़रिए पीड़ितों से 50 लाख रुपये से ज़्यादा की ठगी के साइबर धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान आंध्र प्रदेश के अनंतपुर के रहने वाले सुनील कुमार रेड्डी (44) और उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर निवासी आयुष सेमवाल (21) के रूप में की गई है।

उन्होंने बताया कि रेड्डी एमबीए है जबकि आयुष बीकॉम तृतीय वर्ष का छात्र है और वह एक कॉल सेंटर में काम करता है। उन्होंने बताया के आरोपियों ने पीड़ितों को लुभाने और उनके पैसे हड़पने के लिए छद्म निवेश सलाहकार प्लेटफॉर्म, फर्जी प्रोत्साहन योजनाओं और नकली क्रिप्टो-ट्रेडिंग इंटरफेस का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज अलग-अलग मामलों में दोनों गिरफ्तारियां की गईं।

पुलिस ने बताया कि पहले मामले में, एक शिकायतकर्ता ने शेयर बाजार में निवेश के बहाने 23.8 लाख रुपये की ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि दूसरे मामले में, लखनऊ के एक निजी कर्मचारी ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्रोत्साहन का वादा करके और बाद में एक फर्जी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में निवेश करने के लिए मजबूर करके उससे 26.49 लाख रुपये ठगे गए। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस हुआ दर्ज

नई दिल्ली। सर्दियों के इस सीजन में पहली बार शनिवार को न्यूनतम पारा लुढ़ककर सिंगल डिजिट यानी 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले लगातार कई दिनों तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आस पास दर्ज हो रहा था। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह के रूप में दर्ज हुई। सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, यह सामान्य से 3.8 डिग्री नीचे है। जबकि अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो कि औसत से 1.9 डिग्री नीचे है।

एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, मुख्य आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में झगड़े के दौरान 23 वर्षीय एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अमन उर्फ बुद्धा (19) को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे एक पीसीआर कॉल आई जिसमें चाकू मारने की घटना की सूचना दी गई। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्होंने देखा कि पीड़ित के शरीर पर चाकू के दो घाव थे - एक गर्दन पर और दूसरा पेट पर। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अपराध टीम ने घटनास्थल की जांच की और फोरेंसिक नमूने एकत्र किए, जबकि जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने के लिए क्षेत्र में जाकर पूछताछ की, जिसके बाद अमन को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह हमला पीड़ित और आरोपी के बीच व्यक्तिगत विवाद के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल अन्य संदिग्धों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान जारी है।

सैमटेक्स फैशंस लिमिटेड
पंजी. कार्यालय एवं वर्क्स : खसरा नं. 62, डी1/3 इंडस्ट्रीयल एरिया, राजारामपुर, सिकदराबाद, बुलंदशहर, यू.पी. 203205 आईएन
CIN: L17112UP1993PLC022479, Email: samtex.compliance@gmail.com, Website: www.samtexfashions.com, Ph. No.: 011-49025972

30 सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार

(प्रति शेयर डेटा को छोड़कर रु. लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 30-09-2025 अअंकेक्षित	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 30-06-2025 अअंकेक्षित	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 30-09-2024 अअंकेक्षित	स्टैंडअलोन समाप्त अर्ध वर्ष 30-09-2025 अअंकेक्षित	स्टैंडअलोन समाप्त अर्ध वर्ष 30-09-2024 अअंकेक्षित	स्टैंडअलोन समाप्त वर्ष 31.03.2025 अंकेक्षित	समेकित समाप्त तिमाही 30-09-2025 अअंकेक्षित	समेकित समाप्त तिमाही 30-06-2025 अअंकेक्षित	समेकित समाप्त तिमाही 30-09-2024 अअंकेक्षित	समेकित समाप्त अर्ध वर्ष 30-09-2025 अअंकेक्षित	समेकित समाप्त अर्ध वर्ष 30-09-2024 अअंकेक्षित	समेकित समाप्त वर्ष 31.03.2025 अंकेक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय	-	-	0.09	-	0.09	0.22	1.15	0.51	0.58	1.66	0.58	3.13
2	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/हानि (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	-6.21	-10.08	-5.52	-16.29	-14.24	-29.57	-8.15	-12.40	-7.48	-20.55	-19.22	-39.56
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/हानि (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	-6.21	-10.08	-5.52	-16.29	-14.24	-29.57	-8.15	-12.40	-7.48	-20.55	-19.22	-39.56
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/हानि (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	-6.21	-10.08	-5.52	-16.29	-14.24	-29.57	-8.15	-12.40	-7.48	-20.55	-19.22	-39.56
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (कर के बाद अवधि हेतु निहित लाभ/हानि और कर के बाद अन्य व्यापक आय)	-6.14	-10.08	-5.32	-16.22	-14.04	-29.23	7.88	-13.05	-3.62	-5.17	-15.33	-28.08
6	इक्विटी शेयर कैपिटल	1490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00
7	रिजवर्स (पूर्ववर्ती वर्ष की बैलेंस शीट में दर्शाये अनुसार पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)						-1,490.56						-25455.57
8	अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) बेसिक (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 2 प्रति शेयर)	-0.01	-0.01	-0.01	-0.02	-0.02	-0.04	0.01	-0.02	0.00	-0.01	-0.02	-0.04
9	अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) डायल्युटेड (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 2 प्रति शेयर)	-0.01	-0.01	-0.01	-0.02	-0.02	-0.04	0.01	-0.02	0.00	-0.01	-0.02	-0.04

टिप्पणी :
1. सेबी (लिस्टिंग ओब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के अनुसार, उपरोक्त परिणामों की समीक्षा ऑडिट कमेटी द्वारा कर ली गई और 13 नवम्बर 2025 को आयोजित उनकी सम्बन्धित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किए गए।
2. ये परिणाम कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों (Ind AS) तथा लागू सीमा तक अन्य मान्यताप्राप्त अकाउंटिंग प्रैक्टिसेज और नीतियों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।
3. अन्तिम अवधियों के आंकड़े वर्तमान तिमाही के वर्गीकरणों की पुष्टि के लिए, जहां आवश्यक हुआ रिग्रुप्ड कर लिये गये हैं।
4. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग ओब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के पास दायर किये गये वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और कम्पनी की वेबसाइट www.samtexfashions.com पर उपलब्ध है। इसको नीचे दिये गये क्यूआर कोड को स्कैन करके देखा जा सकता है।

कृते सैमटेक्स फैशंस लिमिटेड
हस्ता/–
अतुल मित्तल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन : 00223366

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 13.11.2025

हरियाणा सरकार | Ministry of External Affairs Government of India | सहभागी प्रदेश मध्य प्रदेश

यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः।
तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम।।

गीता 18.78

जहाँ समस्त योगियों के गुरु कृष्ण हैं और जहाँ परम धनुर्धर अर्जुन हैं,
वहाँ निश्चय ही ऐश्वर्य, विजय, असाधारण शक्ति और नीति होगी। ऐसा मेरा मत है।

अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025
15 नवम्बर - 5 दिसम्बर

अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

(कर्तव्यनिष्ठा, शांति, सद्भाव एवं स्वदेशी की प्रेरणा)

15 नवम्बर – 5 दिसम्बर, 2025 । कुरुक्षेत्र

मुख्य कार्यक्रम

समय	स्थल	कार्यक्रम
सोमवार, 24 नवम्बर		
प्रातः 7:30	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	गीता यज्ञ एवं गीता पूजन
प्रातः 10:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	हरियाणा एवं भागीदार प्रदेश मध्य प्रदेश के पैवेलियनों का शुभारम्भ
प्रातः 10:30	श्रीमद्भगवद्गीता सदन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	अन्तर्राष्ट्रीय गीता संगोष्ठी का उद्घाटन
अपराह्न 2:30	सीनेट हॉल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	विदेशी अतिथियों द्वारा गीता चिन्तन सत्र
सायं 5:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	भजन संध्या एवं महाआरती
सायं 7:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	सांस्कृतिक कार्यक्रम
बुधवार, 26 नवम्बर		
प्रातः 10:00	ब्रह्म सरोवर	भगवद्गीता पंचामृत-प्रारम्भ पद्मविभूषण स्वामी रामभद्राचार्य जी द्वारा
शनिवार, 29 नवम्बर		
प्रातः 10:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	विराट् संत सम्मेलन - देश के प्रमुख संत-महात्माओं के सान्निध्य में
रविवार, 30 नवम्बर		
प्रातः 10:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	भगवद्गीता पंचामृत - विराम एवं भण्डारा प्रसाद
अपराह्न 3:00	सीनेट हॉल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	अखिल भारतीय देवस्थानम् सम्मेलन
सोमवार, 1 दिसम्बर		
प्रातः 7:30	गीता जन्मस्थली-ज्योतिसर	श्रीमद्भगवद्गीता का सम्पूर्ण पाठ एवं गीता यज्ञ
प्रातः 9:30	गीता जन्मस्थली-ज्योतिसर	गीता यज्ञ की पूर्ण आहूति एवं वट-वृक्ष पूजन
प्रातः 10:00	केशव पार्क, कुरुक्षेत्र	21,000 विद्यार्थियों द्वारा गीता का वैश्विक पाठ

समय	स्थल	कार्यक्रम
अपराह्न 2:00	श्रीमद्भगवद्गीता सदन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	48 कोस तीर्थ सम्मेलन
अपराह्न 3:00	कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कार्यालय के सामने से	गीता शोभा यात्रा
सायं 5:30	सन्निहित सरोवर और 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि	दीपोत्सव
सायं 6:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	गीता महाआरती एवं दीप दान
सायं 6:30	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	सांस्कृतिक कार्यक्रम
15 नवम्बर - 5 दिसम्बर		
प्रातः 9:00	ब्रह्म सरोवर	ख्याति प्राप्त शिल्पियों का संगम -शिल्प एवं सरस मेला
प्रातः 9:00	मेला क्षेत्र, ब्रह्म सरोवर	मनोरंजन झूले
सायं 4:30	आरती स्थल, ब्रह्म सरोवर	भजन संध्या एवं महाआरती
सायं 6:15	ज्योतिसर	महाभारत एवं गीता पर आधारित लाइट एण्ड साउंड शो
सायं 7:00	ज्योतिसर	3 'डी' मैपिंग विश्वरूप पर लाइट एण्ड साउंड शो
24 - 26 नवम्बर		
प्रातः 10:00	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	अन्तर्राष्ट्रीय गीता संगोष्ठी
24 नवम्बर - 1 दिसम्बर		
प्रातः 9:00	ब्रह्म सरोवर	धार्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं की प्रदर्शनियां
प्रातः 9:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	राज्य स्तरीय प्रदर्शनी - सूचना, लोक संपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
प्रातः 9:00	ब्रह्म सरोवर	गीता पुस्तक मेला-हरियाणा ग्रंथ अकादमी के सौजन्य से
प्रातः 10:00	गीता जन्मस्थली ज्योतिसर एवं सन्निहित सरोवर	श्रीमद्भागवत कथा
प्रातः 11:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग एवं महिला घाट, ब्रह्म सरोवर	सांस्कृतिक कार्यक्रम
सायं 4:30	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	भजन संध्या एवं महाआरती
सायं 6:00	पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्म सरोवर	सांस्कृतिक कार्यक्रम

@igmkkr @igm_kkr InternationalGitaMahotsav

www.internationalgitamahotsav.in
www.48koskurukshetra.com

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा के WhatsApp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @dipharyana

खबर संक्षेप

स्पेशल सेल ने 3 लोगों को लिया हिरासत में

फरीदाबाद। दिल्ली में हुए बम धमाके की परत-दर-परत खुलती जा रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक इमाम, दुकानदार व छात्र को हिरासत में लिया है। राजस्व अधिकारियों ने पैमाइश रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी दी साथ है विस्फोटक से जम्मू-कश्मीर का नौगाम थाना में धमाका हो गया, सात पुलिस कर्मचारियों की मौत हो गई 27 लोग घायल हो गए। दिल्ली बम विस्फोटक के साथ खुद को उड़ाने वाले डॉ. उमर को लेकर पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण सुराग हासिल किया है।

टास्क के नाम पर 16 लाख रुपए की ठगी

फरीदाबाद। थाना सैंट्रल की टीम ने टेलिग्राम टास्क के नाम पर धोखाधड़ी के मामले में निखिल कुमार व दीपांशु शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि फरीदाबाद निवासी एक महिला ने साइबर थाना में दी शिकायत में आरोप लगाया 21 जून को टेलिग्राम के माध्यम से ठगों ने उसे झांसे में लेकर 16,34,521 रुपए ठग लिए और उसे कोई पैसा वापिस नहीं किया गया।

अलग-अलग मुठभेड़ों में दो चेन लुटेरे घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में तीन शातिर चेन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान दो लुटेरे पुलिस की ओर से चली गोली से घायल हो गए। इसने एक लुटेरा दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक कौशाम्बी पुलिस शुक्रवार की रात में यूपी गेट से आने वाले और सीमान्त विहार जाने वाली रोड पर संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की सघन चेकिंग कर रही थी। तभी एक काले रंग की एनटार्क स्कूटी आती हुई दिखाई दी। जिसे मौजूद पुलिस ने रोककर चेकिंग के लिए रोका। लेकिन स्कूटी चालक स्कूटी को ना रोकते हुए एकदम दाहिनी तरफ मुड़कर नर्सरी के पीछे कच्चे रास्ते पर भागने लगा। पुलिस ने स्कूटी का पीछा किया।

बार एसोसिएशन चुनाव में ब्रह्मदेव त्यागी, वरुण त्यागी बयाना सचिव निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

बार एसोसिएशन के चुनावी नतीजे शुक्रवार की देर रात आ गए। जिसमें अध्यक्ष पद पर ब्रह्मदेव त्यागी और सचिव पद पर वरुण त्यागी बयाना निर्वाचित हुए। अध्यक्ष पद चुनाव में ब्रह्मदेव त्यागी ने अपने प्रतिद्वंद्वी अतुल्य शर्मा को 78 वोटो से हराकर विजय प्राप्त की है। जबकि सचिव पद के प्रत्याशी वरूण त्यागी बयाना ने अपने प्रतिद्वंद्वी हरेंद्र गौतम को 143 वोट से हराकर जीत हासिल की है।

परिणाम घोषित होते ही विजयी हुए प्रत्याशियों के समर्थको ने ढोल नगाड़े बजाकर जश्न मनाया। साथ ही विजय हुए प्रत्याशियों को फुल मालाओं से लाद दिया। विजय हुए अध्यक्ष और सचिव ने कहा कि वह वकीलों के लिए निष्पक्ष भाव से कार्य करेंगे। शुक्रवार को बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद समेत सात विभिन्न पदों पर चुनाव संपन्न हुआ।

खास बातें

- ब्रह्मदेव त्यागी ने अतुल्य शर्मा को 78 वोटो से हराया
- 3025 अधिवक्ताओं में से 2782 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया
- दिया संदेश किसी भी अधिवक्ता के साथ पुलिस अभद्रता न करे

रात भर मनाया समर्थकों ने जश्न

चुनाव में 3025 अधिवक्ताओं में से 2782 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। उसके बाद मतों की गिनती शुरू की गई। देर रात्रि सभी पदों के प्रत्याशियों के परिणाम घोषित कर दिए गए। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ब्रह्मदेव त्यागी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अतुल्य शर्मा को हराकर जीत हासिल की है। सचिव के प्रत्याशी वरूण त्यागी बयाना ने अपने प्रतिद्वंद्वी हरेंद्र गौतम को हराकर जीत प्राप्त की। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी आदेश कुमार गर्ग ने अपने प्रतिद्वंद्वी अशोक चौधरी को हराकर जीत हासिल की। कनिष्ठ उपाध्यक्ष विनय कुमार पंवार ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी मोनू कुमार सेठी को हराकर विजय श्री प्राप्त की है। सह-सचिव प्रशासन के प्रत्याशी सुनील कुमार ने अपनी प्रतिद्वंद्वी जितेंद्र कुमार को हराकर जीत हासिल की है। सह-सचिव पुस्तकालय पद के प्रत्याशी अमित कुमार पाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मयंक श्रीवास्तव हराकर जीत हासिल की। वही कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी खुशनुमा परवीन ने प्रवीण गुप्ता को हराकर जी हासिल की है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ब्रह्मदेव त्यागी ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता युवा अधिवक्ताओं के लिए कचहरी परिसर में नए चेंबर बनवाने की होगी। बाहर से आकर किराये के घर में रहकर वकालत करने वाले अधिवक्ताओं को छोटे भूखंड पर छूट दिलाने का प्रयास किया जएगा। इसके लिए जीडीए वीसी से वार्ता कर जीडीए से भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे। नगर निगम के सहयोग से पेयजल की व्यवस्था कराई जाएगी। अध्यक्ष ने कहा कि महिला अधिवक्ताओं के लिए अलग से शौचालय भी बनवाए जाएंगे। पुलिस प्रशासन को किसी भी अधिवक्ता के विरुद्ध कार्रवाई करने से पहले बार को सूचित करना अनिवार्य होगा। कचहरी में नियमित सफाई अभियान चलाया जाएगा। सचिव ने कहा कचहरी में बड़ी समस्या वाहनों की पार्किंग की भी है। हमारा प्रयास होगा कि न्यायिक अधिकारियों के सहयोग से खाली पड़ी जमीन पर पार्किंग की व्यवस्था करवाई जाय। इसमें नगर निगम और जीडीए के अलावा जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाएगा।

विद्यार्थियों ने वनवासी वीरों की गाथा... सुनाकर उनके बलिदान और संघर्ष से रूबरू करवाया

प्रकृति रक्षक के रूप में भगवान बिरसा मुंडा का अहम योगदान: मंत्री पंवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा के पंचायत एवं विकास, खनन एवं भूविज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रकृति रक्षक भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के साथ-साथ जनमानस को जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए जागृत करने का काम किया। उन्होंने छोटी सी उम्र से ही समाज में चेतना लाने के लिए कार्य किए। हमें भगवान बिरसा मुंडा के दिखाए रास्ते पर चलते हुए अपनी प्राचीन संस्कृति और विरासत को बचाने में योगदान देना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातिय गौरव दिवस पर फरीदाबाद के सेक्टर-12 स्थित कनवेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिकरत की। इस अवसर पर बल्लभगढ़ से विधायक एवं पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

खास बातें

- जनजातीय गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन
- कल्याण आश्रम को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की
- बिरसा मुंडा ने आजादी दिलाने उलगुलान आंदोलन चलाकर सक्रिय रूप से भूमिका निभाई

भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। वहीं फरीदाबाद में स्थापित वनवासी कल्याण आश्रम के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम के दौरान वनवासी कल्याण आश्रम के विद्यार्थियों ने वनवासी वीरों की गाथा... सुनाकर उनके बलिदान और संघर्ष से रूबरू करवाया। पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा एक महान योद्धा होने के साथ-साथ समाज सुधारक भी थे। उन्होंने आदिवासी समाज में जागृति लाने का कार्य किया वहीं समाज के समस्त लोगों को प्रकृति से प्रेम करने की अलख भी जगाई। वहीं देश को आजादी दिलाने के उद्देश्य से उलगुलान आंदोलन चलाकर सक्रिय रूप से भूमिका निभाई।

भगवान बिरसा मुंडा के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान

विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि अनेक यातनाएं झेली, लेकिन प्राणी मात्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। अनेक वीर महान योद्धाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। युवाओं को उन योद्धाओं के जीवन संघर्ष से परिचित होना चाहिए। हमें अपने इतिहास की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे और प्रकृति के दोहन को रोकना होगा। प्रकृति के साथ ही हमारा जीवन संभव है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सतीश नांदल, भाजपा जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह, फरीदाबाद मेयर परवीन जोशी, एसडीएम मंयक भारद्वाज, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य संदीप जोशी, जिला परिषद के चेयरमैन विजय लोहिया, वनवासी कल्याण आश्रम के महामंत्री सुरेंद्र शर्मा, डॉ. कुनाल, महामंत्री प्रवीन चौधरी आदि मौजूद रहे।

50 दिव्यांगजनों को हस्तचालित ट्राई साइकिलें प्रदान की

एनसीआरटीसी ने दिव्यांगों को वितरित किए नि:शुल्क सहायक उपकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

एनसीआरटीसी ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और जापान फंड फॉर प्रॉस्पेरस एंड रेजिलिएंट एशिया एंड द पैसिफिक (जेएफपीआर) के सहयोग से गाजियाबाद में दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में एनसीआरटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिल्ली–मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के आसपास रहने वाले दिव्यांग लोगों को निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल और निदेशक (वित्त) श्रीमती नमिता मेहरोत्रा ने लगभग 50 दिव्यांगजनों को हस्तचालित ट्राई साइकिलें प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाना और उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक तौर पर सशक्त बनाना है। यह सहायता न सिर्फ दिव्यांगजनों के जीवन में गतिशीलता को बढ़ावा देगी बल्कि उनको आत्मविश्वास के साथ जीने की प्रेरणा भी देगी। एनसीआरटीसी द्वारा एडीबी के सहयोग से सामाजिक कल्याण के लिए इस प्रकार के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे है।

जिनके माध्यम से नमो भारत कॉरिडोर के पास रहने वाले वाले दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के उपकरण और जरुरतमंदों को स्वयं रोजगार के साधन और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर सहायता की गई।

एनसीआरटीसी द्वारा दिव्यांग यात्रियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखते हुए नमो भारत स्टेशनों पर भी दिव्यांगजनों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। दृष्टिहीन दिव्यांग यात्रियों के लिए स्टेशनों पर स्पर्श पथ (टैक्टाइल पाथ) बनाए गए हैं। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की आसानी से आवाजाही के लिए बड़ी लिफ्टें लगाई गई हैं। इसके अलावा, बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों, महिलाओं और बच्चों सहित सभी यात्रियों के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा भी प्रदान की गई है। गतिशीलता और सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए एनसीआरटीसी एक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था के लिए संकल्पित है।

गुरुग्राम में खुला भारत का सबसे बड़ा इनडोर ट्रैम्पोलिन एवं एडवेंचर पार्क

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में भारत का सबसे बड़ा इनडोर ट्रैम्पोलिन एवं एडवेंचर पार्क शुरू हुआ है। शनिवार को यहां एसपीआर रोड स्थित सेक्टर-74 में एम3एम कॉर्नर वॉक मॉल में निदेशक केयूर नागोरी ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर केयूर नागोरी ने कहा कि बाउंसइंक ट्रैम्पोलिन और एडवेंचर पार्कों का दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसका सबसे नया केंद्र गुरुग्राम में खुला है। यह एनसीआर का सबसे बड़ा इनडोर ट्रैम्पोलिन और एडवेंचर डेस्टिनेशन है। मुंबई और बेंगलुरु में धूम मचाने के बाद गुरुग्राम में 60,000 वर्ग फुट का यह विशाल पार्क शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि पूरी दुनिया के 18 देशों में बाउंसइंक के 80 से अधिक केंद्र हैं। खेल, फिटनेस और मनोरंजन के माध्यम से इनडोर मनोरंजन की नई परिभाषा करते हुए

बाउंसइंक ने बेहद सुरक्षित और सब के समावेश का परिवेश दिया है। भारत भूमि पर 2019 में इसकी शुरुआत हुई थी। गुरुग्राम पार्क में 100 से अधिक इंटरकनेक्टेड ट्रैम्पोलिन, 50 से अधिक एक्टिविटी हैं।

एक मल्टी-लेयर एक्स-पार्क और हाई रोप्स एडवेंचर जोन और एनसीआर का सबसे बड़ा 8,000 वर्ग फुट का किड्स जोन शामिल है। वॉल रन, जिप लाइन, डॉजबॉल, स्लैम डंक, बिग बैग और सुपर ट्रैम्प जैसे खास आकर्षण हैं। भारत का सबसे बड़ा हाई-परफॉर्मेंस ट्रैम्पोलिन भी है, जिस पर प्रोफेशनल जिम्नास्टिक किए जाते हैं। यह पार्क सभी आयु वर्गों को एक जगह मस्ती-मनोरंजन, रोमांच और सुरक्षा प्रदान करता है। बाउंसइंक का गठन ऑस्ट्रेलिया में 2010 में किया गया। दुनिया के 16 से अधिक देशों और 80 से अधिक स्थानों पर बाउंसइंक के पार्क हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मध्य पूर्व, सिंगापुर, हांगकांग और दक्षिण अफ्रीका में भी मौजूदगी है।

चुनाव आयोग भाजपा की बी-टीम, आचार संहिता की उल्लंघना पर मौन

भाजपा ईवीएम में गड़बड़ी, वोटों में हेराफेरी और ईवीएम से छेड़छाड़ कर सरकार वोट चोरी कर रही है: राव नरेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा के बाद अब बिहार में भी वोटों की हेराफेरी करके चुनाव जीता है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव से पहले एसआईआर के नाम पर 65 लाख वोट काट दिए गए और 21 लाख नए वोट जोड़ दिए गए, इसका चुनाव आयोग के पास कोई जवाब नहीं है। क्योंकि चुनाव आयोग भाजपा की बी.टीम है। बिहार चुनाव के दौरान सरेआम चुनाव आचार संहिता की उल्लंघना की गई, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई संज्ञान नहीं लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ईवीएम में गड़बड़ी, वोटों में हेराफेरी और बैटरी से छेड़छाड़ कर सरकार चोरी कर रही है।

राहुल गांधी संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रहे

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष शनिवार को फरीदाबाद के सैक्टर-12 स्थित टिम्पी फार्म में वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के तहत आयोजित सभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा कांग्रेस के सह प्रभारी जितेन्द्र बघेल, पूर्व सांसद अवतार भड़ाना, विधायक रघुबीर तेवतिया, जिला प्रभारी सुधीर चौधरी, पूर्व प्रत्याशी विजय प्रताप सिंह, रोहित नागर, लखन कुमार सिंगला, पराग शर्मा, योगेश गौड़, मुकेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। इस सभा का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया। जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक ने सभी अतिथियों का शॉल ओढ़ा व बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी कांग्रेस जन पैदल मार्च करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे और वहां जिला उपायुक्त की मार्फत महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेन्द्र ने कहा कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी सत्ता नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। बाबा साहब डॉ बी.आर. अंबेडकर और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा बनाए गए संविधान के साथ कांग्रेस किसी भी सूरत में छेड़छाड़ और बदलाव नहीं होने देगी।

एसएसबी हॉस्पिटल ने मरीज की किडनी बचाने हेतु सफलतापूर्वक की जटिल सर्जरी

फरीदाबाद। एसएसबी हार्ट एंड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल फरीदाबाद में पहली बार एक अत्यंत जटिल और उच्च जोखिम वाली प्रक्रिया सफलतापूर्वक की गई। यह जीवन रक्षक प्रक्रिया एक अंतरराष्ट्रीय मरीज पर की गई, दोनों किडनी की धमनी (रेनल आर्टरी, एक बड़ी सूजी हुई महाधमनी, ओरटा) से निकल रही थीं, यह सूजन पैरों की तरफ जाने वाली धमनी तक फैली हुई थी और किसी भी समय फटने का खतरा था।

हमारी हवा, हमारी जिंदगी कार्यक्रम का आयोजन

स्वच्छ हवा के लिए बच्चों ने की प्रशासन से मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

बाल दिवस के मौके पर जिला प्रशासन, गुरुग्राम और राहगीरी फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से हमारी हवा, हमारी जिंदगी कार्यक्रम का आयोजन किया। म्यूजियो कैमरा सेंटर फॉर द फ़ोटोग्राफिक आर्ट्स में आयोजित इस महत्वपूर्ण पैनल चर्चा का उद्देश्य शहर के बच्चों की आवाज़ को बुलंद करना और बढ़ते वायु प्रदूषण संकट पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना था। कार्यक्रम में पाँच बाल पैनलिस्टों के साथ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल हुए।

बच्चों ने हाथों से बनाए गए पोस्टरों के साथ भावनात्मक अनुभव साझा किए और बताया कि जहरीली हवा उनके स्वास्थ्य, बाहरी खेलकूद और पढ़ाई पर कितना गंभीर असर डाल रही है। बच्चों ने प्रशासन से इस समस्या के दीर्घकालिक समाधान जैसे- बेहतर निगरानी, कड़े नियमों का पालन और हरित अवसंरचना के विस्तार की मांग की।

स्वच्छ हवा मानव अधिकार का मुद्दा, समाधान जरूरी

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुग्राम के डीसी अजय कुमार ने किया। वहीं मेदांता अस्पताल में इंटर्नल मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉ. रचिता चोपड़ा ने शहरी क्षेत्रों की खराब हवा का बच्चों के फेफड़ों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर संक्षिप्त जानकारी दी। कार्यक्रम में शुभ्रा पुरी ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। पैनल चर्चा का संचालन पत्रकार और पुस्तक ब्रीदिंग हेयर इज इंजूरियस टू योर हेल्थ की लेखिका ज्योति पांडे लवकरे ने किया। डीसी अजय कुमार ने आश्वासन देते हुए कहा कि सीएक्यूएम ने कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए हाइब्रिड मॉडल में कक्षाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। कई तरह की गतिविधियाँ चल रही हैं, फिर भी कुछ कमियां हैं। जिसके लिए प्रवर्तन और परियोजना प्रबंधन की क्षमता बढ़ानी होगी। एनजीओ और आरडब्ल्यूए भी आगे आ रहे हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि मिलकर हम इस चुनौती का सामना करेंगे। हम नीतिगत ढांचे को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राहगीरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक और नगारो की डायरेक्टर सारिका पांडा ने कहा कि बच्चों की हिम्मत यह दिखाती है कि स्वच्छ हवा मानव अधिकार का मुद्दा है, जिसके लिए इंजीनियरिंग आधारित समाधान जरूरी हैं। हेरिटेज स्कूल के नौवीं कक्षा के छात्र बिस्मान सिंह ने पराली जलाने पर संतुलित राय रखते हुए कहा कि प्रदूषण बढने पर मुझे घुटन होती है और सांस लेना मुश्किल हो जाता है। पराली जलाना नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें यह भी समझना चाहिए कि किसानों के पास कई बार विकल्प नहीं होते।

शुद्धिपत्र

ICICI Bank

पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पादरा रोड, वडोदरा-390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लैक्स, मुम्बई 400051

युग मार्ग (अंग्रेजी) और हरिभूमि (हिन्दी) में चण्डीगढ़, नई दिल्ली, रोहतक, हिसार और सिरसा के संस्करणों में 15 नवम्बर 2025 को प्रकाशित स्वर्ण नीलामी सूचना के विज्ञापन में कर्जदार का नाम समीर मसीह, ऋण नं. 214605003301 के संदर्भ में।

एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि अनजाने में टाइप करने में त्रुटि की वजह से कर्जदार का नाम समीर मसीह के बजाये समीर अमासिह प्रकाशित हो गया था। कृपया सही नाम समीर मसीह पढ़ा जाए। सभी अन्य विवरण अपरिवर्तित रहेंगे।

दिनांक : 16.11.2025
स्थान : भिवानी, गुरूग्राम, हिसार, जीन्द, सिरसा, फरीदाबाद, फतेहाबाद

हस्ता/- प्राधिकृत हस्ताक्षरी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कंवर पाल सिंह, पुत्रः स्वर्गीय प्रेम सिंह, निवासीः मकान नंबर–ई–2/49 नंद नगरी, दिल्ली** ने **FIR No.: 260/12, U/s: 356/379 IPC, P.S. Seema Puri, पुलिस थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कंवर पाल सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कंवर पाल सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **कंवर पाल सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 16.12.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप
एलडी. जेएमएफसी–06, शाहदरा जिला,
कमरा संख्या 25, प्रथम तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15425/SHD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अब्दुल गनी, पुत्र मोहम्मद मंजूर निवासी ई-300, जेजे कॉलोनी बवाना, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 25/23 भा.द.सं. की धारा 411/34 के तहत, थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल गनी** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल गनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 25/23 भा.द.सं. की धारा 411/34 के तहत, थाना कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अब्दुल गनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **05.01.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चडड्डा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-08 (केन्द्रीय) केन्द्रीय जिला
कमरा नं.272, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/15384/N/2025

सूर्या इंडिया लिमिटेड

पंजी. कार्यालयः बी–1/एफ–12, मोहन को–ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली–110044.
सीआईएनः L74899DL1985PLC019991 फोनः +91 11 45204115; फैक्सः +91 11 28898016;
ईमेलः cs@haldiram.com, वेबसाइटः www.suryaindialtd.com

30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के सार

(राशि लाखों में, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त छमाही	
		30.09.2025	30.09.2024	30.09.2025	30.09.2024
		(अलेखापरीक्षित)			
1	परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	182.65	127.96	315.27	240.31
2	अवधि के लिए कर, असाधारण और/या असामान्य मदों से पूर्व शुद्ध लाभ/(हानि)	92.07	44.33	143.6	76.74
3	अवधि के लिए कर पूर्व शुद्ध लाभ/(हानि), असाधारण और/या असामान्य मदों के बाद	92.07	44.33	143.6	76.74
4	अवधि के लिए कर, असाधारण और/या असामान्य मदों के बाद शुद्ध लाभ/(हानि)	68.62	34.44	104.92	57.92
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (इसमें अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद) शामिल हैं)	71.15	36.27	107.45	59.75
6	प्रदत इक्विटी शेयर पूंजी (प्रत्येक का अंकित मूल्य रु. 10/–)	698.58	698.58	698.58	698.58
7	आरक्षित (इसमें पुनर्मूल्यांकन आरक्षित शामिल है) जैसा पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन पत्र में दर्शाया गया है)	-	-	-	-
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक रु. 10/–) (जारी और बंद परिचालन के लिए) –	-	-	-	-
	1. मूल (रुपयों में):	0.98	0.49	1.5	0.83
	2. परिसमाप्त (रुपयों में):	0.98	0.49	1.5	0.83

नोट्सः

1) उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर समाप्त तिमाही और छमाही के वित्तीय परिणामों के समय–समय पर यथासंशोधित विस्तृत प्रारूप का सार है। तिमाही और छमाही वित्तीय परिणाम के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.suryaindialtd.com) पर उपलब्ध हैं।
2) उपरोक्त अलेखापरीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखा समिति द्वारा 14.11.2025 को आयोजित बैठक में की गई है और उसके बाद निदेशक मंडल ने 14.11.2025 को आयोजित अपनी बैठक में उसे स्वीकृति दी है।
3) पिछली तिमाही/वर्ष के आंकड़ों को जहाँ भी आवश्यक हो, पुनर्समूहीकृत और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 14.11.2025

कृते सूर्या इंडिया लिमिटेड
हस्ता/–
प्रीति अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00011450

शालीमार बाग : सीएम ने की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत

वर्षों से ठप पड़े कार्य अब दोबारा पकड़ रहे हैं गतिः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वर्षों से ठप पड़े कार्य अब दोबारा गति पकड़ रहे हैं, और दिल्ली एक बार फिर अपने विकास पथ पर आगे बढ़ रही है। सरकार का लक्ष्य है कि राजधानी का प्रत्येक क्षेत्र मजबूत बुनियादी सुविधाओं और विश्वसनीय इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित हो। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान यह संबोधन दिया।

उन्होंने कहा कि शालीमार बाग ही नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली में विकास कार्य युद्धस्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने 'अटल कैंटीन योजना' के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन प्रदान करने के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

सड़क विस्तार कार्य पूरा होने पर जाम से मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शालीमार गांव के चैक पर सड़क विस्तार कार्य का भी जायजा लिया और सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क विस्तार कार्य पूरा होने पर क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से जारी जाम की समस्या से राहत मिलेगी और दैनिक आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध होगा।

आगामी दो वर्षों में आयुर्वेदिक अस्पताल पूरी तरह संचालित हो जाएगा

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पांच वर्षों से अधूरे पड़े जे.जे. क्लस्टर आयुर्वेदिक अस्पताल के संबंध में भी स्थानीय निवासियों को आश्वस्त किया। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार द्वारा उपेक्षित इस परियोजना को अब प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो वर्षों के भीतर यह अस्पताल पूरी तरह संचालित हो जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग विधानसभा के हैदरपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन 'अटल कैंटीन' का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब, श्रमिकों और आम नागरिकों के जीवन में सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इन्द्राज ने रोहिणी के वार्ड 51-सी में सफाई व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने

शनिवार को रोहिणी के वार्ड 51-सी में स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एमसीडी, डीडीए और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चल रहे स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए लगातार कार्य हो रहा है। उनके स्पष्ट निर्देश हैं कि सेवा बस्तियों, जे.जे. कॉलोनियों और सेक्टरों में सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाज कल्याण मंत्री ने निरीक्षण के दौरान रोहिणी सेक्टर-2, 3 और 4 के कूड़ा घरों, पार्कों, वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र, जल निकासी व अतिक्रमण से जुड़े मामलों की समीक्षा की। उन्होंने पार्कों की नियमित सफाई के साथ उनमें खेल सुविधाएं विकसित करने के भी निर्देश दिये, ताकि बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ फिटनेस को लेकर उन्हें जागरूक करने का उद्देश्य भी पूरा हो।

साफ सफाई और स्वच्छता के कार्यों की स्वयं निगरानी कर रहे हैं सभी मंत्री : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री के आह्वान पर सभी मंत्री दिल्ली भर में साफ सफाई और स्वच्छता के कार्यों की स्वयं निगरानी कर रहे हैं ताकि आने वाले दिनों में दिल्लीवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली मिल सके और हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के मिशन को कामयाब कर सकें। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को राजौरी गार्डन इलाके की साफ सफाई और स्थानीय लोगों की समस्याओं का जायजा लेने के बाद यह बात कही।

उन्होंने बताया कि नगर निगम को अतिरिक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कैबिनेट स्तर पर प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। इसी दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली सरकार ने नगर निगम को 175 करोड़ की विशेष वित्तीय सहायता दी है ताकि ठेकेदारों का बकाया भुगतान समय पर किया जा सके। मंत्री सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली में सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने और कूड़ा प्रबंधन में सुधार लाने के लिए कई स्तरों पर लगातार प्रयासरत है। जानकारी के अनुसार मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को राजौरी गार्डन के वार्ड 95 (विष्णु गार्डन) के बी-ब्लॉक, बारात घर, जे-6 स्टोर के सामने, ए-ब्लॉक, पोस्ट ऑफिस, एसबीआई बैंक के पास के क्षेत्र का

'आप के शासन में ठीक से नहीं हो पाई सफाई व्यवस्था'

मंत्री सूद ने कहा कि नगर निगम में आम आदमी पार्टी के पिछले ढाई वर्षों के कार्यकाल में गलत ठेके दिए जाने और कुप्रबंधन के कारण नगर निगम की व्यवस्था पटरी से उतर गई थी जिसका सीधा असर दिल्ली की सफाई व्यवस्था पर पड़ा। हमारी सरकार इस अव्यवस्था को दूर करने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। सूद ने कहा कि पिछले 27 वर्षों में पिछली सरकारों की गैर-जिम्मेदार नीतियों के कारण दिल्ली में कई समस्याएं थी जिनका समाधान चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

एमसीडी उपचुनावः राज्य निर्वाचन आयोग ने तेज की जागरूकता गतिविधियां

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव 2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और अधिकतम सहभागिता के साथ संपन्न कराने के लिए राज्य

निर्वाचन आयोग, दिल्ली ने अपनी एसडब्ल्युईईपी-स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी कार्यक्रम) गतिविधियों को तेज कर दिया है। आयोग ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि सभी 12 वार्डों में मतदाताओं को जागरूक करने, मतदान बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। निर्वाचन आयोग की टीमों ने उपचुनाव वाले क्षेत्रों में स्कूलों, स्थानीय बाजारों, बैठकों, सामुदायिक केंद्रों और सरकारी दफ्तरों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों में युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और पहली बार वोट डालने वालों को मतदान के महत्व और प्रक्रिया के बारे में बताया जा रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी अपना डिजिटल कैंपेन तेज किया है। मतदाताओं को उनके बूथ की जानकारी, मतदान का समय, वोटर आईडी से संबंधित आवश्यक निर्देश और फर्जी सूचनाओं से सावधान रहने की अपील लगातार जारी की जा रही है।

अशोक विहार- ग्रेटर कैलाश में यादव ने किया चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

नई दिल्ली। आगामी निगम उपचुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को वार्ड अशोक विहार और वार्ड ग्रेटर कैलाश के उम्मीदवारों के चुनावी कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर यादव के अलावा अशोक विहार वार्ड से कांग्रेस उम्मीदवार विशाखा रानी, ग्रेटर कैलाश से उम्मीदवार शिखा कपूर, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक दत्त व पूर्व विधायक हरी शंकर गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे। इस मौके पर यादव ने कहा कि यह तय है कि हाथ बदलेगा हालात। क्योंकि निगम उपचुनाव प्रचार में कांग्रेस प्रत्याशियों को दिल्ली की जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। दिल्ली की जनता का मूड बदला हुआ है, और वह बदलाव लाने जा रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों से परेशानियां झेल रही दिल्ली की जनता अब थक चुकी है, बदलाव लाना चाहती है। हम प्रत्येक बूथ पर जीत की पूरी तैयारी के हिसाब से कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वार्ड प्रत्याशी क्षेत्र के हर गली और बूथ पर जाकर लोगों के साथ सम्पर्क करके उनकी परेशानियों को जानने की कोशिश कर रही है। पूरी दिल्ली में जेजे कालोनी, वजीरपुर में टूटे रोड़, नालियां और हर कौने पर कूड़े के ढेर से लोग भाजपा और आम आदमी पार्टी के विधायक और निगम पार्षदों के नाकारापन से परेशान हो चुके है।

प्रदेश भाजपा ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने शनिवार को बंनसेरा पार्क, सराय काले खां पर आयोजित एक समारोह में बिरसा मुंडा के 150वें जयंती वर्ष पूर्ण होने पर वरिष्ठ नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के साथ राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा ने दिल्ली भाजपा के एस.टी. मोर्चा अध्यक्ष सी.एल. मीणा और बड़ी संख्या में एकत्र मोर्चा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि बिरसा मुंडा एक महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नेता थे। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के रांची जिले में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासियों को संगठित किया और 'उलगुलान' आंदोलन चलाया। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों के अधिकारों और संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव संघर्ष किया। उनकी शहादत 9 जून 1900 को हुई, लेकिन उनका बलिदान आज भी प्रेरणा देता है।

एलजी ने बिरसा मुंडा की जयंती पर दी विनम्र श्रद्धांजली, बताया प्रेरित करने वाला जीवन

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। सक्सेना ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने लिखा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष केवल जनजातीय अस्मिता का नहीं, बल्कि पूरे भारत के आत्मसम्मान, अधिकार और प्रतिरोध की शक्ति का प्रतीक है। एलजी सक्सेना ने लिखा कि भारतीयता का प्रतीक, भगवान बिरसा मुंडा की अदम्य विरासत हमें सदैव न्याय पूर्ण, समावेशी और समतामूलक राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती रहेगी।

प्रदूषण 500 पार पड़ रहा है दिल्ली वालों की सांसों पर भारी, सबसे ज्यादा वजीरपुर में 556 एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण लेवल (एक्यूआई) इस कदर खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है, कई क्षेत्रों में आंकड़ा 500 पार से ऊपर पहुंच रहा है। दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषण वजीरपुर में 556 एक्यूआई दर्ज हुआ है। राजधानी में सुबह 8 बजे एक्यूआई 369 दर्ज हुआ, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। यह हालात तब है जब राजधानी में ग्रेप -3 के प्रतिबंध लगे हुए है। वहीं इसके अलावा सरकार विभिन्न स्तरों पर अलग अलग कदम उठा रही है। बावजूद इसके प्रदूषण कम होने की बजाए बढ़ता ही जा रहा है। लोगों को आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत सहित कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं परेशानियां झेलनी पड़ रही है। दिल्ली के वजीरपुर में सबसे अधिक 556, सोनिया विहार में 500, बुराड़ी में 477, रोहिणी में 473,सत्यवती कॉलेज क्षेत्र में 469 और चांदनी चौक में 450 एक्यूआई दर्ज हुआ है। पर्यावरण विशेषज्ञ एस के कालरा के अनुसार दिल्ली में रोजाना पीएम 2.5 और पीएम 10 स्तर बढ़ रहा है जो बताता है कि राष्ट्रीय राजधानी में हवा अब गंभीर स्थिति में पहुंच गई है। ऐसे में लोगों को सांस लेन सहित कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। कालरा का कहना है कि जैसे जैसे पारा गिरेगा और ठंड बढ़ेगी, वायु प्रदूषण का ग्राफ भी बढ़ता चला जाएगा। उन्होंने कहा कि दीवाली के समय भी इतना अधिक प्रदूषण नहीं था, जितना अब हो रहा है। उन्होंने कहा कि बेशक सरकार सड़कों पर पानी का छिड़काव करने से लेकर अन्य कदम उठा रही है। लेकिन उनका प्रभाव नजर नहीं आ रहा है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 16 नवंबर 2025

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से विवश दुनिया भर के पुरुष

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओरिएंटेड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

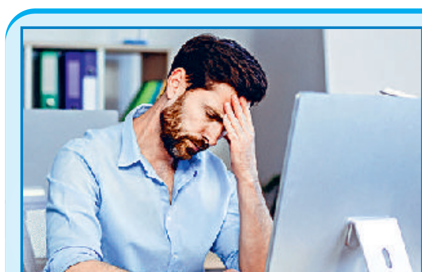

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फाः वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरीः जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरीः चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटेंः बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

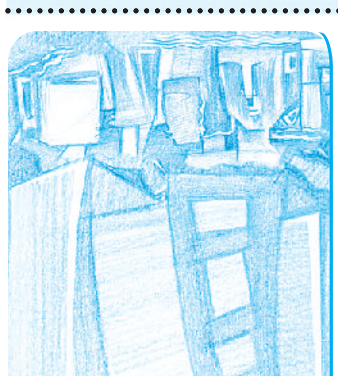

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तकः शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह)
रचनाकारः मनोज मोहन,
मूल्यः200 रु, प्रकाशकः सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

संदिग्ध आतंकी सुहेल के घर की ली गई तलाशी, परिजनों से भी पूछताछ

■ लखीमपुर में गुजरात एटीएस का छापा

एजेंसी ⏭ लखीमपुर खीरी

एक सप्ताह पहले गुजरात में पकड़ा गया लखीमपुर खीरी के रहने वाला संदिग्ध आतंकी सुहेल के घर पर गुजरात एटीएस ने छापा मारा। एटीएस ने सहेल के घर पर तलाशी ली। इसके अलावा परिजनों से भी सुहेल के बारे में पूछताछ की। एटीएस ने घर के कुछ सदस्यों से अकेले में भी बातचीत की। एटीएस ने सुहेल के रहन-सहन और उसके व्यवहार की भी जानकारी जुटाई। इसके अलावा घर में मौजूद मोबाइल फोन और कागजातों की भी जांच पड़ताल की। एटीएस की पूछताछ के दौरान भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रही।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली ब्लास्ट के बाद से पूरे देश में हाई अलर्ट है। खुफिया एंजेंसियां जगह-जगह पर छापेमारी करके संदिग्धों को हिरासत में ले रही हैं। इसके अलावा पकड़े गए लोगों के करीबियों से भी पूछताछ की जा रही है। इसी बीच गुजरात एटीएस ने लखीमपुर खीरी के रहने वाले संदिग्ध आतंकी सुहेल के घर पर शनिवार को अचानक से छापेमारी कर दी। एटीएस सिंगाही के वार्ड बर एक स्थित सुहेल के घर पहुंची। टीम यहां सुहेल के घर में घुसी और करीब एक घंटे तक पूछताछ की। घर की तलाशी के साथ ही उनके कागजातों और फोन रिकॉर्ड को चेक किया। एटीएस घर की महिलाओं को एकांत में ले गई जहां उनसे सुहेल के व्यवहार के बारे में पूछताछ की। पिछले कुछ महीनों में सुहेल से किन-किन लोगों की और क्या-क्या बातचीत हुई? इसकी भी जानकारी एटीएस ने जुटाई है। एटीएस की छापेमारी की खबर से सुहेल के घर बाहर लोगों की भीड़ लग गई। हालांकि इस दौरान पुलिस फोर्स भी तैनात रही।

दो कमरों के घर में रहता है परिवार

सिंगाही एसओ अजीत कुमार सुहेल के घर पहुंचे। घर पर एक जनरल स्टोर का बोर्ड लगा है। बाहर से घर की दीवारें जर्जर और पुरानी हैं और उन पर प्लास्टर भी नहीं है। पता चला कि सुहेल का पिता सलीम ट्रैक्टर मिस्त्री है। सुहेल की मां रुकसाना भी घर पर मिलीं। दंपति के तीन बेटे हैं और बड़ा बेटा सुम्मी खान हैदराबाद में मजदूरी करता है जबकि दूसरा सुहेल व तीसरा बेटा अभी पढ़ाई कर रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिवार से पूछताछ की। दोपहर बाद सोशल मीडिया पर सुहेल की गिरफ्तारी की तस्वीर आ गई।

सिर्फ गिरफ्तारी की दी गई सूचना

गुजरात एटीएस ने सिर्फ परिवार को फोन से इतनी ही सूचना दी है कि उनके बेटे को आतंकी होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। परिवार के अन्य सदस्यों से अधिकारियों ने कोई बात नहीं की। इसीलिए कहा जा रहा है कि परिवार सुहेल की करतूत से अंजान था।

योगी सरकार ने आठ लेन एक्सप्रेसवे निर्माण परियोजना को किया रद्द

2008 में परियोजना के लिए किया गया था अनुबंध

यूपी सरकार ने ग्रेटर नोएडा से बलिया तक बनने वाले प्रस्तावित आठ लेन एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया

एजेंसी ⏭ बलिया

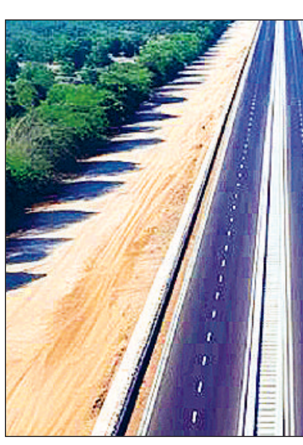

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अब ग्रेटर नोएडा से बलिया तक प्रस्तावित आठ लेन एक्सप्रेसवे का निर्माण अब नहीं कराएगी। इसका निर्माण मेसर्स जेपी गंगा इंफ्रास्ट्रक्चर कारपोरेशन लिमिटेड को कराना था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला हुआ। दरअसल, ग्रेटर नोएडा से बलिया तक आठ लेन एक्सप्रेसवे का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को प्रदेश के पूर्वी जिलों से जोड़ना था। लेकिन यूपीडा का कहना है कि मौजूदा समय में यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पहले से ही इस जरूरत को पूरा कर रहे हैं। ऐसे में अलग से एक और आठ लेन एक्सप्रेसवे बनाने की आवश्यकता नहीं बची है। इसी वजह से परियोजना को रद्द करने का निर्णय लिया गया है।

कैबिनेट के फैसले के अनुसार उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) निर्माण कराने वाली कंपनी को 3,26,96,764 रुपए वापस करेगा। गौरतलब है कि 2008 में इस परियोजना के लिए अनुबंध किया गया था और तय हुआ था कि कंपनी चार सालों में एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा करेगी। कंपनी ने भूमि अधिग्रहण के लिए संबंधित विभाग को करीब 38 करोड़ रुपए भी भुगतान किया था।

क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण परियोजना पर लगी रोक

इस दौरान उच्च न्यायालय ने पर्यावरण विभाग से क्लीयरेंस मिल जाने तक परियोजना पर रोक लगा दी। इसके बाद से एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरी तरह ठप पड़ गया और वर्षों तक परियोजना अधर में लटकी रही। अब यूपीडा ने इसे असंगत और अनावश्यक मानते हुए करार को रद्द कर दिया है। योगी सरकार के इस फैसले से उन जिलों को झटका लगा है जो इस एक्सप्रेसवे के जरिए तेजी से विकास की उम्मीद लगाए बैठे थे। हालांकि सरकार का कहना है कि मौजूदा एक्सप्रेसवे नेटवर्क ही प्रदेश के पूर्वी हिस्से को पर्याप्त कनेक्टिविटी दे रहा है।

अयोध्या पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, बोले-
बिहार की तर्ज पर यूपी व पश्चिम बंगाल में भी प्रचंड बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार

एजेंसी ⏭ अयोध्या

रामनगरी अयोध्या में शनिवार को रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वी जयंती पखवाड़ा के मौके पर हुआ। इसमें शामिल होने के लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पहुंचे।

इस मौके पर डिप्टी सीएम ने कहा कि बिहार में प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बन चुकी है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। जो लोग विपक्ष की राजनीति करते हैं, खासकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस, ये बिहार को लेकर जो मन में लेकर बैठे थे, उस पर घड़ों पानी गिर गया। उनको पता चल गया है कि बिहार के लोग और उत्तर प्रदेश के लोग एक साथ और एक मन के हैं। वह जाति संप्रदाय और धर्म से ऊपर उठकर पीएम मोदी और एनडीए के साथ हैं।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि बिहार की जनता का मैं आभार प्रकट करता हूं। उत्तर प्रदेश में भी 2027 में 2017 वाला इतिहास दोहराया जाएगा। 2027 में 325 से अधिक सीट जीतकर प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएंगे। अखिलेश यादव के आरोपों पर जवाब देते हुए पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोगों का गुंडई और अराजकता के अलावा कोई काम नहीं है।

अवैध तरीके से भारत में घुस रहे थे
सुरक्षाबलों ने नेपाल बॉर्डर पर ब्रिटिश नागरिकों को किया गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ बहराइच

यूपी के बहराइच में भारत-नेपाल सीमा पर शनिवार को पुलिस और एसएसबी ने दो ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये लोग अवैध तरीके से भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे। इनके पास से वैध प्रवेश दस्तावेज नहीं मिले हैं। पकड़े गए लोगों में एक महिला और एक पुरुष शामिल है। इनमें पुरुष पाकिस्तानी मूल का बताया जा रहा है। सीमा पर सुरक्षा को लेकर सुरक्षाबल काफी सख्ती बरत रहे हैं। गश्त के दौरान ये दोनों नागरिक अवैध तरीके से भारत में घुसते समय पकड़े गए।

पेज एक का शेष

बीजेपी ने बागी....

इसे गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही बीजेपी ने सिंह से पूछा है कि आपको पार्टी से क्यों नहीं निकाला जाए, एक हफ्ते में इसकी वजह बताइए। पार्टी ने कटिहार की मेयर ऊषा अग्रवाल और एमएलसी अशोक अग्रवाल को भी कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव में जीत के बाद बागी नेताओं पर बीजेपी का यह पहला एक्शन है। आरके सिंह ने बीच चुनाव में बागी तेवर दिखाए थे। इसके साथ ही उन्होंने जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर के आरोपों का भी खुलकर समर्थन करते हुए एनडीए के ताकतवर नेताओं को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया था।

कांग्रेस को अब...

मतदान किया, ये बिहार के विकास के प्रति ललक है। उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार की टैलेंट आपको नजर आएगी। अब बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मिजाज दिखा रहा है। इस चुनाव में उस मिजाज के दर्शन हुए हैं। महिला-युवा एक ऐसा माई कॉम्बिनेशन बना है, जिसने आने वाले दशकों की राजनीति का नींव मजबूत कर दी है।

9 की मौत, 32 ...

(जम्मू-कश्मीर प्रभाग) प्रशांत लोखंडे ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट पर दुख व्यक्त किया है। नौगाम धमाके पर गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (जम्मू-कश्मीर प्रभाग) प्रशांत लोखंडे ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

सीएम उमर का ऐलान, मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 10 लाख: जम्मू-कश्मीर प्रदेश सरकार ने शनिवार को नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट के पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से अनुग्रह राशि की घोषणा की। प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये और प्रत्येक घायल को एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कि विस्फोट में क्षतिग्रस्त मकानों का भी मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा। विस्फोट में घायलों की हर संभव मदद की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री को निर्देश दिया गया है कि वह उनके उपचार का समुचित प्रबंध करें। विस्फोट में मारे गए नागरिकों को भी पूरी मदद की जाएगी। धमाके में कई मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके नुकसान का भी आकलन कर मुआवजा दिया जाएगा।

एलजी ने दिए जांच के आदेश, जताया दुख : नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत कई बड़े नेताओं ने दुख जताया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि वह श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट से हुई जान-माल की क्षति से अत्यंत व्यथित हैं। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उपराज्यपाल ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "सरकार दिवंगतों के परिवारों, मित्रों और प्रियजनों के साथ एकजुटता से खड़ी है। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। मैंने आकस्मिक विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जताया दुख : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट पर दुख व्यक्त किया है। जम्मू-कश्मीर सीएमओ ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

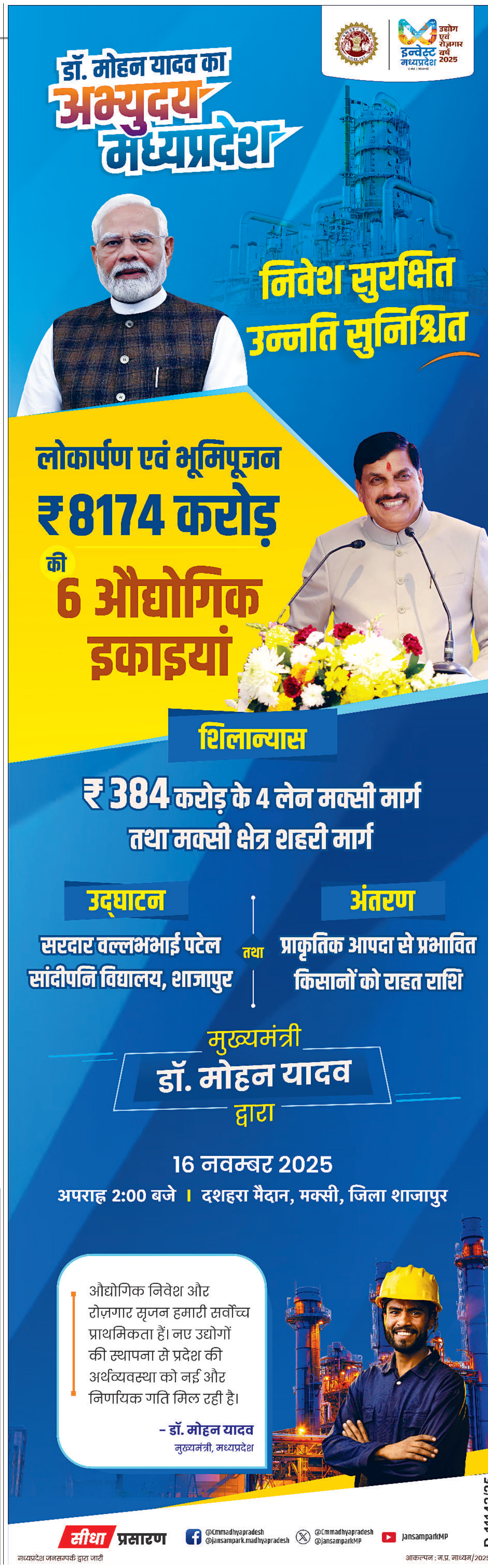

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। इसके अलावा भी अनेक कारण रहे जिन्होंने मतदाताओं को राजग के पक्ष में खड़ा किया। इन्हीं कारणों का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

विशाल जनादेश के साथ सत्तारूढ़ राजग

विश्लेषण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा के लिए हुए सत्रहवें चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी ध्वजा फहरा कर आगामी पांच वर्षीय कार्यकाल के लिए पुनः सत्तारूढ़ होने जा रहा है। कुल 243 निर्वाचन क्षेत्रों के घोषित परिणामों में भाजपा ने अपने हिस्से के पूरे 89, जदयू ने पूरे 85 और लोजपा ने पूरे 19 क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर ली है। राजग के इन तीन प्रमुख घटक राजनीतिक दलों ने कुल 193 क्षेत्रों में जीत प्राप्त कर ली है।

शेष 50 क्षेत्रों में विपक्षी राजनीतिक दल के प्रमुख घटक राजद ने 25, कांग्रेस ने 6, एआईएमआईएम ने 5, एचएएमएस ने 5, रालोमो ने 4, सीपीआई (एमएल, एल) ने 2, आईआईपी, सीपीआई (एम) और बसपा ने एक-एक क्षेत्र पर विजय प्राप्त की है। यदि दलों को प्राप्त मत प्रतिशत पर दृष्टिपात करें तो पहले से सत्तारूढ़ और पुनः विजय प्राप्त कर सत्तारूढ़ होने वाले राजग के प्रमुख दल भाजपा को 20.07, जदयू को 19.26, लोजपा को 4.98 प्रतिशत मत मिले हैं। राजग के इन तीन प्रमुख घटक दलों का कुल मत प्रतिशत 44.31 प्रतिशत है। प्रमुख विपक्षी दल राजद को 23, कांग्रेस को 8.71, एआईएमआईएम को 1.85, सीपीआई (एमएल, एल) को 2.84, बसपा को 1.62 प्रतिशत मत मिले हैं। कुल 1.81 प्रतिशत लोगों ने नोटा का विकल्प चुना था। शेष प्रतिभागी अन्य राजनीतिक दलों को कुल 14 प्रतिशत मत मिले हैं। इस प्रकार विपक्ष को कुल 38 प्रतिशत मत मिले। यदि दलवार ध्यान दें तो सर्वाधिक मत प्रतिशत 23 राजद का रहा। इसके बाद भाजपा 20.07 और फिर जदयू 19.26 क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर हैं।

राजद का मत प्रतिशत अधिक

यदि राजद का मत प्रतिशत सर्वाधिक है, तो यह इस शंका को बढ़ाता है कि बिहार में अभी भी मतदाता पुनरीक्षण अभियान शत-प्रतिशत संपन्न नहीं हुआ है। अभी भी राज्य में अवैध मतों की राजनीतिक कुक्रीड़ा पूरी तरह बंद नहीं हुई है। केंद्रीय एवं प्रांतीय चुनाव आयोगों को इस ओर ध्यान देना होगा कि जो दल कुल 243 में से केवल 25 निर्वाचन-क्षेत्रों में जीता है, उसका मत प्रतिशत प्रमुख विजयी दल भाजपा एवं जदयू से अधिक कैसे हो गया है। चिंता का विषय यह भी है कि जो मरणासन्न दल एक-दो क्षेत्रों में ही किसी प्रकार चुनाव जीते हैं, उनका मत प्रतिशत पांच या छह क्षेत्रों में चुनाव जीतने वाले दलों से अधिक है। इस चुनावी, निर्वाचनीय एवं लोकतांत्रिक दोष की ओर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

सुशासन आधारित कार्य

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। राजग के पक्ष में खड़े हुए चौवालीस प्रतिशत मतदाताओं में नारीशक्ति अग्रणी है। पुरुष वर्ग अभी भी अनेक व्यक्तिगत किंतुओं-परंतुओं की उलझनों, जातिगत समीकरणों के दोषों तथा राजनीतिक कट्टरताओं के कारण अपने मत व्यर्थ कर रहा है।

नारियों से सीखें पुरुष मतदाता

यदि पुरुष वर्ग भी नारियों की भांति राजनीतिक सतर्कता, सजगता का ध्यान रखे और सुशासन व विकास के दृष्टिकोण के साथ जुड़कर मतदान यज्ञ में सम्मिलित हो, तो निश्चित रूप में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अधिक बड़े जनादेश की राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो। इसी कारण से, बिहार ही नहीं, पूरे भारत में मतदाता पुनरीक्षण अभियान को अधिक सक्रियता एवं गहनता से संचालित किए जाने की अति आवश्यकता है। यदि भारतीय मतदाताओं की समुचित सूची बन जाती है तो डंके की चोट पर पारदर्शी एवं त्रुटिहीन मतदान होगा। हजारों की संख्या में पंजीकृत राजनीतिक दल घटकर कुछ सौ अंक तक सीमित हो जाएंगे। ऐसा होने पर चुनाव आयोग पर भी अधिक राजनीतिक दलों की गणना कर उनसे संबंधित आंकड़े एकत्रित करने का भार भी नहीं होगा। बिहार चुनाव जीतने के लिए केंद्र से लेकर बिहार प्रदेश तक राजद की जो भी चुनावी योजनाएं रही हों, वे तो जीत का कारण हैं ही, किंतु मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम ने भी प्रादेशिक चुनाव प्रक्रिया को अपेक्षित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने में व्यापक भूमिका निभाई है। न्यायोचित एवं लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव संपन्न होने पर संवेदनशील जनता के मतानुसार शासन की नियुक्ति हुई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम आरंभ होने के बाद बिहार प्रदेश प्रथम था, जहां इस कार्यक्रम की प्रथम चुनावी प्रतिक्रिया सामने आई है, और जो प्रतिक्रिया लोकतंत्र के मानकों के अनुरूप श्रेष्ठ ढंग से प्रकट हुई है।

विश्वास पर खरी उतरे सरकार

वैसे प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल को विधानसभा में विपक्ष के प्रमुख दल के रूप में विराजने योग्य जनादेश तो नहीं मिला है, किंतु अपने मत प्रतिशत को लेकर दल के नेता अतिशयोक्तिपूर्ण वक्तव्य अवश्य देंगे। केंद्र से लेकर बिहार तक शासन का कार्यभार संभालने वाले शासनिक-प्रशासनिक तंत्र को इनके नकारात्मक वक्तव्यों से ध्यान हटाकर तथा इनके संभावित राजनीतिक षड्यंत्रों पर पैनी दृष्टि रखकर केवल और केवल जनादेश के अनुसार चहुंदिश प्रादेशिक विकास कार्यों पर राजनीतिक-प्रशासनिक शक्ति लगानी होगी। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की अत्यंत आवश्यकता है।

> **बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।**

बिहार में उड़े 'गरदे' के गूढ़ार्थ

सियासत
डॉ. घनश्याम बादल
वरिष्ठ स्तंभकार

इस विधानसभा चुनाव में बिहार ने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए नीतीश कुमार और भाजपा नीत एनडीए को प्रचंड जीत दिलवाते हुए राजनीति का एक नया मिथ रच बड़ा संदेश दिया है। यह संदेश बहुत साफ है कि यदि आप सरकार में रहकर सचमुच जनकल्याण के कार्य आगे बढ़ाते हैं तो फिर गलतियों के बावजूद जनता आपको सर आंखों पर बिठाती है। हालांकि पहले दौर के मतदान के बाद ही सर्वेक्षण एजेंसियों ने राजग की बढ़त की भविष्यवाणी कर दी थी और दूसरे दौर के बंपर मतदान के बाद ज़्यादातर एजेंसियां एनडीए को 130 से 160 सीटें दे रही थी, हालांकि तब सर्वेक्षण एजेंसियों के परिणामों पर उंगलियां भी उठाई जा रही थीं लेकिन वास्तविक परिणाम ने जिस तरह राष्ट्रीय जनता दल और सहयोगी दलों के महागठबंधन का सफाया किया है, वह हैरतअंगेज है। राहुल-तेजस्वी की जोड़ी, एसआईआर और वोट चोरी के साथ-साथ हर घर को नौकरी, माई बहन मान योजना और रैलियों में उमड़ रही भीड़ तथा तेजस्वी एवं राहुल की हुंकार से माहौल भरमा रहा था कि इस बार एनडीए को बहुमत प्राप्त करना आसान नहीं होगा लेकिन बिहारियों के मन को समझना विशेषज्ञों के भी बस से बाहर की बात रही और अंततः एनडीए प्रचंड बहुत के साथ फिर सत्ता में आ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने न सिर्फ सत्ता बरकरार रखी, बल्कि प्रचंड बहुमत के साथ राजनीति-मंच पर नये समीकरण भी गढ़े हैं। इस जीत के पीछे कई कारण हैं। रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, नीतीश कुमार और उनके सहयोगियों ने जमकर लाभ उठाया। इसी पृष्ठभूमि में प्रशांत किशोर और राहुल गांधी की रणनीतिक विफलता राजग के लिए सफलता का आधार बनी है। यदि चुनाव से पहले की स्थितियों पर नजर डालें तो पहले से ही एनडीए लीड ले चुका था। उसने प्रत्याशियों की पहले घोषणा की जबकि महागठबंधन के नेता आपस में लड़ते रहे। टकराव तो राजग में भी दिखाई दिया लेकिन सुगठित चुनाव प्रचार, जनता के मन तक पहुंचना, सरकार की उपलब्धियां, शाह-मोदी तथा नीतीश की तिकड़ी के चमत्कार और लालू यादव के जंगल राज की यादों को ताजा करने की कुशल रणनीति ने एनडीए के चमत्कार को नमस्कार करवा दिया। एनडीए इस चुनाव में विकास-विचारधारा को मुद्दा बनाकर, "डबल इंजन सरकार" और सुशासन एजेंडे के साथ मैदान में उतरा था और विपक्ष के एमवाई (मुसलमान + यादव) के मुकाबले अपने एमवाई (महिला+युवा) की प्रस्तुति ने इस गठबंधन को व्यापक समर्थन दिया। इसके विपरीत, महागठबंधन ने जातिगत वोट बैंक विशेष रूप से मुस्लिम-यादव और नौकरियों-मुद्दों पर ज़ोर दिया लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने "गाँव-गाँव, मुद्दा-मुद्दा" की पहल की और नौकरियों-माइग्रेशन जैसे विषय उठाये, लेकिन उसका असर सीमित रहा। राहुल गांधी की ओर से "वोट चोरी" व एसआईआर में गड़बड़ी जैसे आरोप लगाए गए, उनकी रेलियों में भीड़ तो उमड़ी लेकिन 'वोट चोर गद्दी छोड़' की अपील जनादेश में बदल नहीं पाई। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा निर्णायक रहे हैं। इस बार एनडीए ने पिछड़ी अति पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियों, दलितों, ओबीसी-गैर-यादवों के हर वर्ग में सेंध लगाने में सफलता प्राप्त की और हर वर्ग से वोट मिलने की वज़ह से ही इतना प्रचंड बहुमत मिलना संभव हो पाया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार अति पिछड़ी एवं पिछड़ी जातियों के करीब 58 % वोट एनडीए को मिले। वहीं, महागठबंधन की अपने परंपरागत मुस्लिम यादव वोट बैंक पर अत्यधिक निर्भरता और अन्य समूहों के जुड़ पाने की विफलता से राजनीतिक रूप से भारी नुकसान हुआ और वह पहले जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं कर पाया। महागठबंधन की सफलता में एक बड़ा कारण वहां कांग्रेस का ज़मीनी संगठन न रहना भी रहा । साथ ही, दो साल तक तेजस्वी का नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करना और फिर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाना भी भारी पड़ा। मिथिलांचल, मगध, शिवहर-सीमांचल आदि में एनडीए. को संतुलित आधार मिला। विरोधी गठबंधन मुख्य रूप से एक-दो क्षेत्रीय और जातिगत धड़ों तक सीमित रहा, जिससे उनकी व्यापक पहुंच ढीली पड़ गई। इस जीत में नीतीश कुमार का 'सुशासन बाबू' का ब्रांड भी महत्वपूर्ण रहा। उनका दल जनता दल यूनाइटेड 80% जीत दर के साथ इस बार पहले से लगभग दुगनी सीटों पर जीता तो भारतीय जनता पार्टी ने 90% का स्ट्राइक रेट पाया।

> **रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, शाह, योगी, नीतीश ने लाभ उठाया**

परिणामों में महागठबंधन को लगा बड़ा झटका

विस चुनाव
सुरेश हिन्दुस्तानी
स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हुई मतगणना के बाद प्रदेश की राजनीतिक तसवीर स्पष्ट दिखाई देने लगी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्पष्ट बहुमत की सरकार बन रही है। इसके निहितार्थ एकदम स्पष्ट हैं कि बिहार के मतदाताओं ने भाजपा के साथ नीतीश को फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनाने पर अपनी मुहर लगा दी है। दूसरी ओर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व में बनाए गए महागठबंधन को बहुत बड़ा झटका लगा है। इसमें सबसे बड़ी बात यह भी है कि कांग्रेस और राजद का गठबंधन अपनी पिछली स्थिति को बरकरार रखने में भी असफल रहा है। पिछले चुनाव में राजद बहुमत की संख्या से कुछ ही दूर रहा, लेकिन इस बार यह संख्या बहुत कम होती दिखाई दे रही है। कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे। कांग्रेस की स्थिति तो इससे भी ज्यादा दयनीय हो चुकी है, वह दहाई की संख्या में आने के लिए भी तरस रही है। इनका वोट चोरी का आरोप भी मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सका। आरोप लगाने मात्र से कोई अपराधी नहीं बन जाता, उसके लिए समय पर प्रमाण भी देना होता है। कांग्रेस द्वारा वोट चोरी का आरोप लगाते हुए यह दावा किया गया कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव में ब्राजील की एक मॉडल ने 22 बार वोट डाला। इसके विपरीत मॉडल लारिसा नेरी का कहना था कि वे भारत कभी गई ही नहीं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब वे भारत आई ही नहीं, तब कांग्रेस का यह आरोप केवल एक नैरेटिव स्थापित करने जैसा ही माना गया। राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर इस प्रकार का असत्य आरोप लगाना निश्चित ही लोकतंत्र के लिए घातक ही है। कांग्रेस ने अपनी स्थिति स्वयं ही कमजोर की है। क्षेत्रीय दलों के सामने समर्पण करने के बाद भी कांग्रेस अपने को बहुत बड़ा दल मानती है और वैसा ही व्यवहार भी करती है। जबकि राजद ने कांग्रेस को ज्यादा भाव नहीं दिया। राष्ट्रीय जनता दल की हार के पीछे एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि बिहार में फिर से यादव राज की संभावना से मतदाता नाराज हुआ, इसके जानने के बाद भी तेजस्वी ने सहयोगी दलों की आवाज को अनसुना करते हुए विधानसभा के चुनाव में राजद की ओर से 52 प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया। इससे अन्य मतदाता इनकी ओर उतना नहीं आ सका, जितनी उम्मीद की जा रही थी। इसको भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग किया, जो भाजपा के लिए लाभदायक साबित हुआ। बिहार के मतदाताओं ने प्रदेश की जो राजनीतिक तस्वीर बनाई है, वह चुनाव बाद किए गए सर्वेक्षण को सही साबित कर रहे हैं।

> **कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे।**

बिहार का जनादेश लाया बदलाव का नया संदेश

रणनीति
प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो चली है। एनडीए गठबंधन एक बार फिर बिहार में स्थिर सरकार देने को तैयार है। जबकि विपक्ष की चुनावी रणनीति पूरी तरह फिसल गई है। विपक्ष ने बिहार में जंगलराज की बात को भले प्रचारित किया, लेकिन जनता ने भाजपा और जनतादल (यू) नीतीश और मोदी की जोड़ी पर भरोसा जताया। बिहार के लोगों ने सुशासन बाबू को दिल से लिया।

एनडीए गठबंधन ने पिछले चुनाव का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि प्रमुख विपक्षी दल आरजेडी और महागठबंधन पूरी तरह पराजित हुआ है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली आरजेडी का प्रदर्शन पिछली बार से भी घटिया रहा है। विपक्ष जहां चुनावी माहौल सिर्फ हवा में बनाता रहा वहीं भाजपा जमीनी स्तर पर उतरकर वहां अपनी स्थिति मजबूत किया है। दूसरी तरफ एनडीए लगातार सत्ता में बनी रही जिसका उसे फायदा मिला है। कांग्रेस जैसे बड़े राष्ट्रीय दल से भी कई गुना अच्छा प्रदर्शन लोजपा चिराग पासवान की पार्टी ने किया है। बिहार का चुनाव राजनीति के लिए साफ संदेश है। बिहार का चुनाव परिणाम किसी राजनीतिक दल की हार और जीत का परिणाम नहीं, बल्कि जनता के जनादेश का परिणाम है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं। जनता विकास चाहती है, हवाई नारों पर वह विश्वास करने वाली नहीं है। बिहार की जनता ने कम से कम यह साफ संदेश दे दिया है। बिहार का जनादेश, बदलाव की दिशा में नया संदेश है। बिहार की जनता ने एनडीए के सुशासन पर अधिक भरोसा जताया है। बिहार में सच्चाई है कि वहां विकास हुआ है और लोगों को जंगलराज से राहत मिली। विपक्ष के लिए है चिंता और चिंतन का सवाल है। राहुल गांधी को अब जमीनी राजनीति करनी चाहिए। सिर्फ तालियां पिटवाने की राजनीति से उन्हें बाज आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उन्होंने जितना निजी हमला किया, उसका परिणाम सकारात्मक होने के बजाय नकारात्मक आया। कांग्रेस अपनी जड़ और जमीन दोनों को खो दिया है। कांग्रेस और उसका नेतृत्व कब समझेगा यह विचारणीय बिंदु है। सिर्फ जुमले और नारों से आप जमीन नहीं बदल सकते हैं। जनता जमीन पर बदलाव देखना चाहती है। लालू यादव के कुशासन और जंगल राज की तस्वीर आज उसके जेहन में चस्पा हैं, जिसकी वजह से तेजस्वी यादव को लोगों ने नकार दिया है। दूसरी वजह लालू यादव के पारिवारिक झगड़ों के साथ महागठबंधन में रणनीति की कमी और आंतरिक बिखराव इसका सबसे बड़ा कारण है। बिहार में नीतीश और मोदी की जोड़ी ने सिर्फ नारे नहीं लगाए, जमीन पर काम भी किया। इससे बिहार की जनता को सीधा फायदा मिला है, राजनीतिक दलों के लिए बिहार चुनाव बड़ा संदेश है। इन परिणामों ने यह साबित किया कि है यहां की राजनीति अब सिर्फ जात-पात और संप्रदाय तक सीमित नहीं रही, बल्कि विकास, पर आधारित है। महिला मतदाता ने निर्णायक भूमिका निभाई है। दो चरणों में मतदान हुआ जिसमें दूसरे चरण में 69 फीसदी तक मतदाताओं की हिस्सेदारी इस बात का संकेत है कि बिहार की जनता सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी देना चाहती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछली बार की तुलना में समाज के उन वर्गों ने मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा बढ़ाया है जिनके मतों पर दल लंबे समय से निर्भर थे। इस बढ़ी भागीदारी का मतलब साफ है, नेताओं को अब जवाबदेही भी ढंग से दिखानी होगी। एनडीए ने न सिर्फ बहुमत पार किया, बल्कि बहुत मामलों में महागठबंधन को पीछे छोड़ा। इस बढ़त के पीछे कई कारक हैं। नीतीश कुमार की महिला मतदाता और अत्यंत पिछड़ा वर्ग फॉर्मूला माना जा रहा है जिनमें एनडीए ने अच्छी पकड़ बनाई है। मुस्लिम बहुल सीटों में एनडीए को पारंपरिक अनुमान से बेहतर नतीजे मिले, खासतौर पर जब बहुत लोग मान रहे थे कि यह हिस्से विरोधी गुट का सहज आधार होंगे। एनडीए ने जनता के बीच जाकर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई जबकि विपक्ष के पास ऐसा कुछ नहीं था।

> **राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं।**

चुनाव परिणामों में भावनाओं पर नीति की जीत

जनादेश
अजीत लाड़
स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का जनादेश भारतीय राजनीति की गहरी हलचलों को उजागर करता है। यह नतीजा मात्र सत्ता परिवर्तन का गणित नहीं; यह मतदाता की विकसित समझ, सामाजिक-आर्थिक आकांक्षाओं और राजनीतिक नेतृत्व के प्रति विश्वास का विस्तृत परीक्षण भी है। कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दल जिस "एकता" को ऐतिहासिक पलटवार के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे, वह मतदाता की कसौटी पर टिक ही नहीं पाया। यह पराजय किसी आकस्मिक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि कई वर्षों से संचित संगठनात्मक कमियों, भूथर रणनीतियों और अधूरे नेतृत्व का प्रतिफल है। चुनावी अभियान की शुरुआत में महागठबंधन ने परिवर्तन की तेज़ हवा का दावा किया।

राजनीतिक नारों, आक्रामक विज्ञापनों और डिजिटल प्रचार की चमकदार प्रस्तुतियों से जनता का मन जीतने का प्रयास हुआ। फिर भी मतदाता की वास्तविक अपेक्षाएं सतही उत्तेजनाओं से आगे बढ़ चुकी थीं। बिहार का युवा अब अवसर चाहता है, महिलाएं आर्थिक स्वतंत्रता का मार्ग खोज रही हैं, और ग्रामीण मतदाता ऐसी सरकार को प्राथमिकता देता है जो रोज़मर्रा की समस्याओं को हल करने की क्षमता दिखा सके। महागठबंधन इन व्यापक अपेक्षाओं को समझ ही नहीं पाया। उसके दावों में भावनाएं तो प्रबल थीं, पर भविष्य के लिए ठोस संरचना का अभाव रहा। नेतृत्व भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। तेजस्वी यादव को युवा राजनीति का प्रतीक बताने की कोशिश हुई, फिर भी बिहार जैसे जटिल राजनीतिक भूगोल वाले राज्य में अनुभव, प्रशासनिक दृष्टि और कठोर निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। जनता वही नेतृत्व चुनती है जिसके पास दिशा हो, स्पष्टता हो और दीर्घकालिक सोचना आता हो। कांग्रेस की स्थिति इससे भी अधिक विस्मयकारी रही, न संगठन में सक्रियता, न स्थानीय स्तर पर उपस्थिति, न ही कोई ऐसा चेहरा जो मतदाता में भरोसा पैदा कर सके।

इस शून्य ने महागठबंधन को एकजुट मोर्चे के रूप में कम और विखंडित समूह के रूप में अधिक प्रस्तुत किया। भाजपा ने इस चुनाव में जिस सबसे महत्वपूर्ण तत्व पर ध्यान केंद्रित किया, वह था समावेशी विकास का भरोसा। "सबका साथ–सबका विकास" केवल नारा नहीं रहा; यह उन योजनाओं का आधार बना, जिन्होंने समाज के अलग-अलग वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ दिया। विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास बिहार में परिवर्तन की धुरी बन गया। स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण उद्यमिता, शिक्षा में सुधार, सुरक्षा की विश्वसनीयता और घर की चारदीवारी से बाहर आर्थिक सहभागिता, इन सभी ने महिलाओं को पहली बार यह अनुभव कराया कि राजनीति उनके जीवन को वास्तविक रूप से बदल सकती है। भाजपा ने इस परिवर्तन को समझकर अपनी रणनीति तय की।

महागठबंधन इस उभरती शक्ति को केवल भावनात्मकता के सहारे प्रभावित करने की कोशिश करता रहा, जबकि मतदाता ठोस परिणामों की तुलना करता चला गया। बिहार में लंबे समय तक जाति समीकरण चुनावी भविष्यवाणी का सरल सूत्र माने जाते थे। इस चुनाव ने उस पुराने ढांचे को पूरी तरह अप्रासंगिक साबित किया। मतदाता अब केवल पहचान के आधार पर मतदान नहीं करता; वह विकास के अवसरों, सरकारी सेवाओं की उपलब्धता और स्थिर प्रशासन को प्राथमिकता देता है। भाजपा की नीतियों और कार्यशैली ने यह विश्वास जगाया कि राज्य के विकास का पहिया तेज़ गति से घूम सकता है। सड़क, बिजली, गैस, सिंचाई, उद्यमिता और शिक्षा के क्षेत्र में जो विस्तार हुआ, उसने मतदाता के मन में यह धारणा स्थापित की कि विकास की निरंतरता उसी राजनीतिक इकाई से संभव है जिसने इन आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया। विपक्ष की सबसे बड़ी भूल यह रही कि उसने सोशल मीडिया की चमक को वास्तविक जनभावनाओं का प्रतिनिधि मान लिया। डिजिटल अभियानों में ऊर्जा भले ही दिखी, पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बूथ स्तर पर उनकी उपस्थिति कमजोर रही। चुनाव प्रचार में रीलें और ट्रेंड उत्साह पैदा करते हैं, परंतु मतदान का निर्णय तभी बनता है जब मतदाता को यह भरोसा हो कि उसका जीवन सुरक्षित, स्थिर और प्रगतिशील दिशा में आगे बढ़ रहा है। महागठबंधन इस भरोसे की नींव तैयार करने में असफल रहा। इस चुनाव के पीछे जो वास्तविक मनोदशा रही, वह एक वाक्य में स्पष्ट होती है। जनता विरोध नहीं, विकल्प चाहती है। ऐसा विकल्प जो केवल व्यवस्था की आलोचना न करे, बल्कि बेहतर व्यवस्था का भरोसेमंद मार्ग प्रस्तुत करे। एनडीए यह विश्वास दिलाने में सफल रहा कि शासन क्षमता, नीति की दृढ़ता और समाज के हर वर्ग से जुड़ने की शक्ति उसके पास है। विपक्ष केवल सरकार-विरोध का मंच बनकर रह गया, उसकी अपनी कोई ऐसी योजना सामने नहीं आई जो मतदाता को प्रेरित कर सके। बिहार का यह जनादेश पूरे देश के लिए एक संकेत देता है। मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।

> **मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।**

बिहार से राज्यसभा की 10 सीटों पर होगा एनडीए कब्जा, विपक्ष की मुसीबत बढ़ेगी उच्च सदन में

हरिभूमि विशेष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जबरदस्त जीत ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को राज्य से होने वाले आगामी राज्यसभा उपचुनावों में भारी लाभ देने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। ताज़ा राजनीतिक गणित के अनुसार, बिहार की सभी 10 राज्यसभा सीटों पर एनडीए की जीत लगभग तय मानी जा रही है। राज्य में होने वाले इन द्विवार्षिक चुनावों में फिलहाल राजद के पास तीन सीटें हैं। लेकिन बदले हुए समीकरणों के चलते एनडीए इन तीनों सीटों को अपने खाते में जोड़ सकता है।

राज्यसभा में बढ़ेगी एनडीए की ताकत

राज्यसभा में कुल 245 सदस्य होते हैं, जिनमें से एनडीए के पास इस समय 133 सदस्य हैं। बिहार से आने वाली 10 सीटों पर संभावित जीत से एनडीए की संख्या और मज़बूत हो जाएगी, जिससे मोदी सरकार के बाकी कार्यकाल (मई 2029 तक) में ऊपरी सदन में भी उसकी पकड़ मजबूत हो जाएगी।

सीटों का गणित क्या कहता है?

इन 10 सीटों में से पांच सीटों का कार्यकाल अगले वर्ष समाप्त हो रहा है। अन्य पांच सीटों पर 2028 में चुनाव होगा। राज्यसभा चुनाव के लिए एक सीट जीतने हेतु कम से कम 42 विधायकों का समर्थन आवश्यक होता है। बिहार में एनडीए के पास अब 202 विधायक हैं, जिस कारण पहली प्राथमिकता के वोटों में ही एनडीए चार सीटें आसानी से जीत लेगा। पांचवीं सीट का फैसला दूसरे वरीयता क्रम के वोटों से होगा। चूंकि महागठबंधन के पास 42 विधायकों का आंकड़ा नहीं है, इसलिए एनडीए को बढ़त मिलना तय माना जा रहा है।

कौन-कौन के कार्यकाल समाप्त हो रहे हैं?

अगले वर्ष जिन राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल खत्म होगा, उनमें शामिल हैं, राजद के प्रेमचंद गुप्ता, एडी सिंह, जेडीयू के उपसभापति हरिवंश, रामनाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेन्द्र कुशवाहा। इनके कार्यकाल की समाप्ति से खुलने वाली सीटों पर भी एनडीए का ही पलड़ा भारी है।

2028 में समाप्त होने वाले कार्यकाल

2028 में जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा होगा, वे हैं- राजद के फैयाज़ अहमद, भाजपा के सतीश चंद्र दुबे, मनन कुमार मिश्रा, शम्भू शरण पटेल और जेडीयू के खीरू महतो। राजनीतिक समीकरण साफ संकेत देते हैं कि बिहार में एनडीए की भारी जीत अब सीधे राज्यसभा के चुनावी नतीजों को प्रभावित करेगी। सभी 10 सीटें जीतकर एनडीए न सिर्फ ऊपरी सदन में अपना बहुमत मजबूत करेगा, बल्कि मोदी सरकार की विधायी प्राथमिकताओं को भी अगले वर्षों में और सुगम बनाता दिखाई दे रहा है।

खबर संक्षेप

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक पर चार्जशीट

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सेल के खिलाफ विशेष अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में अभियोजन शिकायत दायर की। सतीश मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। ईडी ने पीएमएलए के तहत इस कंपनी के खिलाफ भी अभियोजन शिकायत दायर की है। खजाने को 44.09 करोड़ की हानि हुई।

झारखंड के स्थापना पर शाह ने शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। हर साल 15 नवंबर को झारखंड का स्थापना दिवस मनाया जाता है। 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड अलग राज्य बना। यह प्रदेश शनिवार को अपना 25वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री शाह ने जनजातीय विरासत की पावन भूमि बताया है।

जोधपुर में दोस्तों की कार पलटी, 3 की मौत

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में भीषण सड़क हादसा सामने आया है। शुक्रवार देर रात को 11 लोगों से भरा एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हैं। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 25 पर खारिया मीठापुर गांव के पास हुआ। गाड़ी में 11 लोग सवार थे। ड्राइवर ने अचानक कार से संतुलन खो दिया था। कार बेकाबू होकर पलट गई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आंकड़े जारी कर दी जानकारी

महंगाई से राहत लगातार: थोक महंगाई अक्टूबर में 27 महीने के न्यूनतम स्तर पर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश की थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) अक्टूबर महीने में बड़ी गिरावट के साथ 27 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति माइनस1.21 फीसदी दर्ज की गई, जो सितंबर के 0.13 फ़ीसदी के मुकाबले तेज गिरावट है। जाहिर है आम नागरिकों और उपभोक्ताओं के लिए ये बड़ी खुशखबरी है।

तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद केंद्र की मोदी सरकार महंगाई दर पर काबू पाने, उसे नाथ कर रखने में अब तक कामयाब रही है। विशेषज्ञों ने कहा की भारी बारिश के बाद कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालातों के बावजूद दैनिक उपयोग वाली फल सब्जियों के दाम में भी अपेक्षाकृत कम उछाल देखने को मिला।

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में राहत

हरिभूमि संडे रीडिंग

थोक कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण सब्जियों, गेहूँ, दालों और तिलहन की कम कीमतें रहीं। खाद्य वस्तुओं की डब्ल्यूपीआई महंगाई सितंबर के 5.2 फ़ीसदी से घटकर अक्टूबर में 3.8 फ़ीसदी पर आ गई। गैर-खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हुईं। सब्जियों की कीमतों में अक्टूबर में 15.4 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। ईंधन एवं बिजली की महंगाई भी सितंबर के 2.58 फ़ीसदी से घटकर 2.52 फ़ीसदी हो गई। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की कीमतें भी अक्टूबर में 1.54 फीसदी नीचे रहीं।

विशेषज्ञों की राय

इक्रा (आईसीआरए) की इकॉनमी रिसर्च टीम के निदेशक पारस जसारिया ने कहा कि अक्टूबर में थोक महंगाई में दर्ज की गई, 1.21 फीसदी की गिरावट (डब्ल्यूपीआई बेस वर्ष 2012–13) ने विभिन्न कमोडिटी समूहों में लगातार होती मंदी को दर्शाया है। फल-सब्जियों की कीमतें (पिछले 35 महीने में 34.5 फ़ीसदी से गिरकर 7.0 फ़ीसदी) तथा खाद्य वस्तुओं की मंदी ने कुल डब्ल्यूपीआई को नीचे खींचा है। जसारिया ने यह भी चेतावनी दी कि रूरल (ग्रामीण) उपभोक्ता बाजार पर इसका प्रभाव ध्यान से देखना होगा, क्योंकि बहुत ज्यादा गिरावट ग्रामीण आय को प्रभावित कर सकती है, जिससे खपत पर असर पड़ेगा।

कोर महंगाई भी तीन महीने के निचले स्तर पर

कोर डब्ल्यूपीआई (जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं) भी सितंबर के 1.9 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 1.5 फीसदी पर आ गई। 21 प्रमुख उप–सेगमेंट में से 13 में महंगाई घटी। अप्रैल–मई के बाद यह पांच महीने का सबसे निचला स्तर है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह गिरावट वैश्विक स्तर पर कमोडिटी कीमतों के नरम रहने और घरेलू मांग में कुछ धीमापन आने को दर्शाती है। बहरहाल अक्टूबर, नवंबर में थोक महंगाई का 27 महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंचना अर्थव्यवस्था के लिए राहत की खबर है, विशेषकर खाद्य वस्तुओं और ईंधन में आई गिरावट के कारण। हालांकि, विशेषज्ञ कहते हैं कि ग्रामीण मांग पर इसके दीर्घकालिक असर का अध्ययन जरूरी है ताकि खपत और आय पर विपरीत प्रभाव न पड़े।

डिफ्लेशन में वापसी आर्थिक संकेतक बेहतर

अक्टूबर 2025 में थोक महंगाई दो महीने बाद फिर से डिफ्लेशन (ऋणात्मक महंगाई) में लौटी है। खाद्य वस्तुओं का रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता होना (खाद्य महंगाई माइनस 5.0 फ़ीसदी से माइनस 15.0 फ़ीसदी) और सब्जियों व फल की कीमतों में तेज गिरावट इसका बड़ा कारण रहा।

बिहार में हार के बाद कांग्रेस में बढ़ी रार और तकरार

पीएम की भविष्यवाणी कांग्रेस चौथी बार टूटेगी! सही होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार हुई है।कांग्रेस की स्थिति बेहद बुरी है। 61 सीटों पर लड़ी कांग्रेस बामुश्किल 6 सीट ही ला पाई। इससे कांग्रेस में सिरफुटव्वल शुरू हो गई है। कुछ नेता हार के बाद बचाव करते दिख रहे तो कुछ अपनी ही पार्टी के दूसरे नेता पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं। नतीजे के बाद प्रधानमंत्री ने बिहार को धन्यवाद करने के लिए संबोधन किया तो इस दौरान कांग्रेस में संभावित एक और बड़े विभाजन की आशंका जता दी। पीएम मोदी ने कांग्रेस को 'मुस्लिमलीगी माओवादी कांग्रेस' करार देते हुए दावा किया कि आने वाले समय में कांग्रेस का एक और बड़ा विभाजन होगा और यह स्थिति दिखाई भी देने लगी है।

बिहार हार के बाद सिरफुटौव्वल, बाहरी को दिया 'ठेका'

करारी हार के बाद कांग्रेस के भीतर जो सिरफौटव्वल शुरू हुआ, वो अब खुलेआम दिख रहा है। पार्टी के भीतर ही नेताओं ने टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी रणनीति तक पर सवाल खड़े किए हैं। बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने सीधे तौर पर बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और आरजेडी के संजय यादव को हार के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर फ्रेंडली फाइट की नौबत क्यों आई?' और आरोप लगाया कि वरिष्ठ नेताओं को किनारे लगाकर बाहर के लोगों को बिहार कांग्रेस ठेके पर दे दिया गया।

थरूर ने की आत्म निरीक्षण की मांग

कांग्रेस के भीतर मौजूद असंतुष्ट नेताओं में शशि थरूर की आवाज भी शामिल है, जिन्होंने बिहार चुनाव में पार्टी की हार पर गंभीर आत्मनिरीक्षण की मांग की। थरूर ने कहा कि हमें अध्ययन करना है कि क्या रणनीतिक, संदेशात्मक या संगठनात्मक गलतियां थीं। इसके पहले थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं और पार्टी के भीतर एक अलग विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

लालू की बेटी रोहिणी ने छोड़ी राजनीति

मैं अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं, आत्मसम्मान सर्वोपरि

एजेंसी ▶▶ पटना

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिनी आचार्या ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार से दूरी बनाने की भी घोषणा कर दी है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह वही बात है जो संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे कहने को कहा था। राजद की हार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं सारी ज़िम्मेदारी ले रही हूं। दरअसल, रोहिणी आचार्य, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव के राजद में दखल से नाराज चल रही हैं। उन्होंने लिखा कि मैंने एक बेटी व बहन के तौर पर अपना कर्त्तव्य एवं धर्म निभाया है और आगे भी निभाती रहूंगी। मुझे किसी पद की लालसा नहीं है, न मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा है। मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान सर्वोपरि है।

मेरे लिए मेरा आत्म सम्मान सर्वोपरि

लाडो लक्ष्मी योजना में किया बदलाव

अब महिलाओं को हर माह नहीं इकट्ठे पैसे देगी नायब सरकार

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा में पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने की भाजपा सरकार की सरकार और फ्लैगशिप स्कीम लाडो लक्ष्मी योजना में अब बदलाव होगा। अब हर महीने की बजाय महिलाओं को सरकार इकट्ठे पैसे देगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज हिसार में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हर माह दी जाने वाली 2100 रुपए की लाडो लक्ष्मी योजना में बदलाव होगा। सरकार इस रकम को हर महीने देने की बजाए साल में दो किस्तों में देने पर विचार कर रही है ताकि एक बड़ी रकम एक साथ मिल सके। इस रकम को महिलाएं अपने किसी कार्य के लिए एक साथ उपयोग कर सकेंगी। चाहें तो किसी रोजगार या छोटे व्यवसाय की शुरुआत भी कर पाएंगी। सैनी ने कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना को विस्तार देने पर भी मंथन चल रहा है। अभी एक लाख तक की आय वाले परिवारों की महिलाओं को लाभ दिया जा रहा है। अगले चरण में इसको बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

हर महीने किया जा रहा 2,100 रुपए का भुगतान

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

सिर्फ एप के माध्यम से आवेदन करें

योजना का लाभ लेने के लिए महिला की उम्र 23 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए। वह कम से कम 15 वर्ष से हरियाणा की निवासी होनी चाहिए। परिवार की आय एक लाख रुपए वार्षिक होनी चाहिए। वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा, निराश्रित महिला के लिए वित्तीय सहायता, दिव्यांग या अन्य पेंशन पाने वाली महिलाएं इस योजना की पात्र नहीं होंगी। आवेदन फॉर्म मोबाइल एप के जरिए ही भरा जाएगा। इसके लिए सबसे मोबाइल में लाडो लक्ष्मी योजना का मोबाइल एप डाउनलोड करना होगा।

1 नवंबर को योजना हुई थी लागू

हरियाणा सरकार ने इस योजना के लिए 5,000 करोड़ का प्रावधान किया है। हरियाणा में एक लाख रुपए सालाना आय वाली 23 से 60 साल तक की 19 लाख 62 हजार महिलाएं हैं। इस योजना को प्रदेश में तीन विभाग संचालित कर रहे हैं। समाज कल्याण विभाग, पंचायत विभाग और क्रीड संयुक्त रूप से इस योजना को सुचारू करने में लगे हुए हैं। राज्य के स्थापना दिवस यानि 1 नवंबर को योजना की पहली किस्त जारी की गई थी। पात्र महिलाओं के खातों में 2100 रुपए प्रति माह की पहली किस्त सीधे ट्रांसफर की थी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राशिद, पुत्रः वली अहमद, पताः म.नं. 144, गली नं. 1, कर्दम पुरी, दिल्ली, ज्योति नगर, उत्तर पूर्व, दिल्ली** ने **FIR No. 478/2020, U/s 27/61/85 NDPS, पुलिस थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राशिद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राशिद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 478/2020, U/s 27/61/85 NDPS, पुलिस थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **राशिद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.12.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री राहुल सैनी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–08
शाहदरा जिला, कमरा नं. 06, नया कोर्ट बिल्डिंग
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15371/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रमोद कुमार कंसेल, पुत्र राम गोपाल निवासी डी–442, गली नंबर 6, भजनपुरा, दिल्ली ने प्रथम सीसी नं. 194/20 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना अमन विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **प्रमोद कुमार कंसेल** मिल नही रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **प्रमोद कुमार कंसेल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सीसी नं.194/20 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना अमन विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रमोद कुमार कंसेल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **18.12.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01, उत्तर-पश्चिम जिला
कमरा नं.73, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15304/NE/2025

अंका इंडिया लिमिटेड

CIN: L74900HR1994PLC033268
पंजी. कार्यालय : 6 लीजेंड स्क्वेयर, सेक्टर–33, गुरुग्राम–122003;
Phone No: 9820069933; Website: www.ankaindia.com

30 सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु अअंकेक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का सार

राशि रु. लाख में

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन: समाप्त तिमाही (अअंकेक्षित) 30-सित.-25 अअंकेक्षित	30-जून-25 अअंकेक्षित	30-सित.-24 अअंकेक्षित	स्टैंडअलोन: समाप्त छह माह 30-सित.-25 अअंकेक्षित	30-सित.-24 अअंकेक्षित	समेकित: समाप्त तिमाही 30-सित.-25 अअंकेक्षित	30-जून-25 अअंकेक्षित	समेकित: समाप्त अर्ध वर्ष 30-सित.-25 अअंकेक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	11.39	11.16	13.05	22.55	27.26	582.61	601.01	1183.61
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	4.65	(20.18)	10.11	(15.53)	18.44	9.64	1.80	11.43
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	4.65	(20.18)	10.11	(15.53)	18.44	9.64	1.80	11.43
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	4.65	(20.18)	10.11	(15.53)	18.44	9.54	(0.93)	8.61
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	4.65	(20.18)	10.11	(15.53)	18.44	8.03	2.94	10.98
6	इक्विटी शेयर कैपिटल (रु. 10/– प्रत्येक का प्रत्यक्ष मूल्य वाले)	515.42	233.34	115.53	375.15	115.53	515.42	395.36	455.72
7	अन्य इक्विटी	NA	NA	NA	2,436.38	(78.91)	-	-	80.45
8	अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) (रु. 10/– प्रत्येक का प्रत्यक्ष मूल्य)								
	बेसिक :	0.01	(0.09)	0.09	(0.04)	0.16	0.02	0.01	0.02
	डायल्युटेड :	0.01	(0.09)	0.09	(0.04)	0.16	0.02	0.01	0.02

टिप्पणी :

1. उपरोक्त परिणाम सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत बीएसई लि. के पास दायर किये गये 30 सितम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु स्टैंडअलोन अंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण के विस्तृत प्रारूप का एक सार हैं। 30 सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु स्टैंडअलोन अंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स (www.bseindia.com) के साथ साथ कम्पनी की वेबसाइट (www.ankaindia.com) पर उपलब्ध हैं।
2. *वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 3.1 के संदर्भ में, रु. 22,50,000/– की राशि की इन्वेंटरीज बारह माह से अधिक समय से निष्क्रिय पड़ी हुई हैं। कंपनी ने लागू अकाउंटिंग फ्रेमवर्क [Ind AS 2 इन्वेंटरीज का मूल्यांकन] के तहत अपेक्षित अनुसार इन इन्वेंटरीज के शुद्ध वसूली योग्य मूल्य का आकलन पूर्ण नहीं किया है। पर्याप्त सहायक दस्तावेजीकरण और ऑडिट साक्ष्य के अभाव में, हम यह निर्धारित करने में असमर्थ हैं कि रिपोर्टिंग तिथि पर ऐसी इन्वेंटरी के वहन मूल्य में कोई समायोजन आवश्यक है या नहीं। –वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 3.2 के संदर्भ में, रु. 6,99,84,393/– राशि की विकास अधीन अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां दो वर्ष से अधिक समय से पुस्तकों में बिना किसी स्पष्ट प्रगति या तकनीकी या वाणिज्यिक व्यवहार्यता के संकेत के रखी गई हैं। कंपनी ने लागू लेखांकन मानकों [Ind AS 38–अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां और Ind AS 36– परिसम्पत्तियों की हानि] के अनुसार एक हानि मूल्यांकन पूर्ण किया है। ऐसे मूल्यांकन के अभाव में, हम यह निर्धारित करने में असमर्थ हैं कि किसी असमर्थता नुकसान को मान्यता देने की आवश्यकता है या नहीं। – वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 3.3 के संदर्भ में, कंपनी परिसम्पत्ति के रूप में रु. 35,37,792/– की राशि पिछले वर्षों में भुगतान किए गए न्यूनतम वैकल्पिक कर को पहचानना जारी रखे हुए है और उसे भविष्य के कर भुगतानों में समायोजित किए जाने की अपेक्षा करती है। हमारे विचार में, कंपनी के घाटे के इतिहास और समग्र वित्तीय स्थिति पर विचार करते हुए, कंपनी द्वारा इसे परिसंपत्ति के रूप में पहचानना विवेकपूर्ण नहीं है, और यह "आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत न्यूनतम वैकल्पिक कर के संबंध में उपलब्ध क्रेडिट के लिए अकाउंटिंग पर मार्गदर्शन टिप्पणी" के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है।*

कृते व निदेशकों की ओर से
अंका इंडिया लिमिटेड
हस्ता/–
सुलक्षणा त्रिखा
अध्यक्ष

दिनांक : 14.11.2025
स्थान : गुरूग्राम

शेयर बाजार Vs एसआईपी बेहतर है कौन

प्लानिंग | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक नए निवेशक हैं और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं।

पैसों का निवेश जरूरी

पैसों का निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को अपनी बचत को एक अच्छी जगह निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपनी वेल्थ को बढ़ा सकें। पैसों को निवेश करने के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। कुछ लोग सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं, जिसके लिए वह बैंक एफडी और स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश करते हैं। वहीं कुछ लोग ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए रिस्क लेते हैं और शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में अपने पैसों का निवेश करते हैं। अगर आप भी एक नए निवेशक हैं, और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए. आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं।

आइए जानते हैं नए निवेशक कहां से शुरू करें निवेश

बात करें शेयर बाजार में निवेश की तो शेयर बाजार में निवेश काफी रिस्क भरा होता है। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह सीधा शेयर की कीमत पर निर्भर करता है। शेयर की कीमत बढ़ भी सकती है और घट भी सकती है। कीमत घटने पर आपको नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको कंपनी के कारोबार, बैलेंस शीट और सेक्टर ट्रेंड्स की समझ जरूर होनी चाहिए। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए।

नए निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड बेस्ट

अब बात कर लेते हैं म्यूचुअल फंड में निवेश की, तो शेयर बाजार में पहले न निवेश कर आपको सबसे पहले एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए। म्यूचुअल फंड के जरिए भी आपके पैसे शेयर बाजार में ही लगाए जाते हैं लेकिन यह पैसे कब और कैसे और कितना लगाना है, यह फंड मैनेजर तय करते हैं। एसआईपी में आप बस हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। लंबे समय तक निवेश कर आप यहां औसतन 12 प्रतिशत की दर से रिटर्न पा सकते हैं। शुरुआत में म्यूचुअल फंड में निवेश कर आप बाजार की चाल को समझ सकते हैं और आपको शेयर बाजार की समझ भी होगी। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले एक बार म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।'

अनजाने और अनचाहे खर्च को रोकना होगा, मिडिल क्लास को नहीं रहेगी टेंशन

सैलरी मिलने के कुछ दिन बाद ही पर्स हो जाता है खाली, ये टिप्स आएंगे काम

उदाहरण से समझें : रिया 90,000 रुपये महीना कमाती है। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती है। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

महीने की शुरुआत में जब फोन पर सैलरी अकाउंट में क्रेडिट होने का मैसेज आता है तो काफी खुशी होती है। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों तक ही रहती है। 15-20 दिन गुजरने के बाद आर्थिक तंगी के हालात शुरू हो जाते हैं। ऐसा काफी लोगों के साथ होता है। मिडिल क्लास के साथ तो लगभग हर महीने यही स्थिति रहती है। 15-20 दिन बीतने के बाद चिंता सताने लगती है कि आखिर सैलरी का पैसा कहां खर्च हो गया? एक्सपर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं जिसमें इसका कारण और समाधान भी बताया है गया है। एक्सपर्ट के अनुसार हमसे कुछ अनजाने और अनचाहे खर्च ऐसे हो जाते हैं जिनके कारण धीरे-धीरे सैलरी का पैसा खर्च होना शुरू हो जाता है। हालात कई बार ऐसे आ जाते हैं कि सैलरी मिलने के 20 दिन बाद ही बटुआ खाली हो जाता है। समस्या यह नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह है कि आप उस पैसे को कैसे मैनेज करते हैं।

कहां गया सारा पैसा?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'आपकी सैलरी अभी-अभी क्रेडिट हुई है। वो खुशी वाला अलर्ट देखकर मुस्कान आ जाती है, है ना? लेकिन 20 दिन बाद आपका यूपीआई बैलेंस आपको सोचने पर मजबूर कर देता है- सारा पैसा कहां गया? यह कहानी कई मिडिल क्लास भारतीयों की है।'

आपकी लाइफ कैसी होगी यह आपके कमाने पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह निर्भर करता है कि आप बचाते कितना है। उन्होंने लिखा है, 'आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि दौलत सिर्फ कमाई से नहीं, बल्कि मैनेजमेंट और लगातार कोशिशों से बनती है।

उदाहरण से समझें गणित

अपनी बात को समझाने के लिए हम एक उदाहरण का सहारा लेते हैं। एक लड़की रिया जो एक कंसल्टेंट हैं और 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है। छोटे-छोटे फैसले चुपके से बड़ी दौलत बन जाते हैं।

आखिर क्यों 'गायब' हो जाती है सैलरी

सैलरी गायब होने के पीछे असली वजह अनकॉन्शियस स्पेंडिंग यानी ऐसे खर्च है जो अनजाने में होता है। कई बार ऐसे छोटे खर्चे होते हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। उनके मुताबिक हमारा दिमाग बड़े खर्चे पहचान लेता है लेकिन छोटे खर्चे जैसे- रोजाना का खर्च, सब्सक्रिप्शन, अचानक कुछ खरीदना आदि खर्च का पता ही नहीं चलता। इस कारण हर महीने 25 से 40 हजार रुपये चुपके से खर्च हो जाते हैं। यही कारण है कि सैलरी आने के बाद महीना खत्म होने से पहले ही बटुआ खाली हो जाता है।

ये हैं काम के टिप्स

ऐसे अनचाहे खर्च को रोकने और पैसे पर कंट्रोल के लिए 4 टिप्स हैं। अपनी सैलरी की तरह हर महीने बचत को ऑटोमेटिक कर लें। इसके लिए किसी मुश्किल अकाउंट की जरूरत नहीं है। **बस 4 आसान पॉकेट बना लें।**

ये इस प्रकार हैं :

1. सैलरी हब : यह आपका मुख्य इनकम अकाउंट है। यानी आपकी सैलरी इसी अकाउंट में आती है।
2. सेफ्टी नेट : इसमें इमरजेंसी फंड और लक्ष्य-आधारित बचत के लिए पैसा रखें। यह रकम 60:40 के रेश्यो में होनी चाहिए।
3. ग्रोथ इंजन : यह अकाउंट सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और ऑटोमेटेड इन्वेस्टमेंट के लिए है।
4. डेली एक्सपेंसेस: यह अकाउंट यूपीआई और बिल पेमेंट के लिए है। यह आपकी सेविंग से अलग होगा।

टाइमिंग का रखें ध्यान

ऊपर बताए चार पॉकेट में पैसा समय पर इन्वेस्ट कर दें। यहां टाइमिंग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की सैलरी महीने की आखिरी तारीख (30 या 31) या 1 तारीख को आ जाती है। ऐसे में हर महीने की 2 तारीख को ऑटोमेटिक ट्रांसफर सेट करें। महीने के बीच में खर्चों की समीक्षा करें और 25 तारीख तक अगले महीने की तैयारी कर लें।

ये तीन मंत्र काम के

पैसा कमाना एक स्किल है। पैसा बचाना एक आर्ट है और पैसे को कंपाउंड करना (ब्याज पर ब्याज कमाना) साइंस है। इन तीनों में महारत हासिल करें। ऐसे में फाइनेंशियल फ्रीडम अपने आप मिल जाएगी। पैसे का सही प्रयोग ही हमें जल्दी अमीर बना सकता है।

एक लाख 3 साल की एफडी में निवेश करने पर कौन सा बैंक दे रहा है सबसे ज्यादा रिटर्न

नॉलेज | बिजनेस डेस्क

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं। जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है, तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को बैंक एफडी में ही निवेश करना पसंद करते हैं. इसका कारण एफडी में मिलने वाला फिक्स्ड रिटर्न और पैसों की सुरक्षा है. देश के अलग अलग बैंकों द्वारा अपनी अलग अलग अवधि वाली एफडी पर अलग अलग ब्याज दर से रिटर्न ऑफर किया जाता है. आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

प्राइवेट बैंक इंडसइंड बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में सबसे ज्यादा ब्याज दर से रिटर्न ऑफर कर रहा है। इस बैंक की 3 साल की एफडी की ब्याज दरें 6.65 प्रतिशत हैं। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,950 रुपये मिलेंगे।

एक्सिस बैंक की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एक्सिस बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.60 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,800 रुपये मिलेंगे।

एचडीएफसी की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.40 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,200 रुपये मिलेंगे।

एसबीआई की 3 साल की एफडी

सरकारी बैंक एसबीआई अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.30 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,900 रुपये मिलेंगे

केनरा बैंक की 3 वर्षीय एफडी

सरकारी बैंक केनरा बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.25 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,750 रुपये मिलेंगे।

एफडी के अलावा इन 5 सरकारी स्कीम में करें पैसों का सुरक्षित निवेश

बैंक एफडी के अलावा भी सुरक्षित निवेश के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। एफडी के अलावा आप सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को केवल बैंक एफडी में ही निवेश करते हैं क्योंकि बैंक एफडी में पैसा सुरक्षित रहता है यानी पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है लेकिन बैंक एफडी के अलावा भी ऐसी कई स्कीम हैं, जहां लोग अपने पैसों को सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं और काफी अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम के बारे में। स्मॉल सेविंग स्कीम में आपको एक निश्चित ब्याज दर से रिटर्न मिलता है, और यह सरकारी स्कीम है. ऐसे में आपको पैसों की पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। आइए जानते हैं बैंक एफडी के अलावा आप किस-किस सरकारी स्कीम में पैसों का निवेश कर सकते हैं

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी पोस्ट ऑफिस की सरकारी स्कीम है, जहां आपको 5 साल की अवधि के लिए अपने पैसों का निवेश करना होता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में आपको 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी उम्र 60 साल से अधिक है तो आप सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में 5 सालों के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। यहां आप अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस आरडी

अगर आप एक साथ निवेश न कर थोड़ा थोड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की आरडी में निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है. इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का होता है। आरडी में 6.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

किसान विकास पत्र

पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र यानी केवीपी स्कीम में आप अपने पैसों को 115 महीनों के लिए निवेश करके उन्हें डबल बना सकते हैं। किसान विकास पत्र स्कीम में 7.5 प्रतिशत सालाना की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है. ऐसे में आप यहां भी निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट निवेशक ऐसे पहचानते हैं म्यूचुअल फंड बेचने का सही वक्त

सुझाव
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट करने की बात तो हर निवेशक करता है, कौन सा फंडसबसे अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर बेहतर रिटर्न दे रहा है, या कौन सी स्कीम में पैसा लगाना चाहिए। हालांकि जब बात आती है म्यूचुअल फंड बेचने की, तो ज्यादातर लोग या तो गलत समय पर बेच देते हैं या फिर कभी बेचते ही नहीं, जबकि सच यह है कि जितना जरूरी इन्वेस्टमेंट करना है, उतना ही जरूरी है सही समय पर बेचना भी। अगर आप यह नहीं जानते कि म्यूचुअल फंड कब बेचना चाहिए, तो आपका अच्छा फंड भी नुकसान में बदल सकता है। अक्सर ऐसा होता है कि मार्केट में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपने फंड को बेच देते हैं। यह सबसे आम लेकिन सबसे बड़ी गलती होती है। जैसे कि 2008 के वित्तीय संकट के दौरान कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए थे, लेकिन उस टाइम पर अगर उन्होंने धैर्य रखा होता, तो अगले पांच सालों में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी, तो इसलिए, मार्केट गिरने पर डरकर फंड बेचना नहीं, बल्कि धैर्य रखना जरूरी होता है।

गलत समय पर म्यूचुअल फंड बेचने से हो सकता है भारी नुकसान

कब नहीं बेचना चाहिए?

कई बार फंड कुछ महीनों के लिए खराब प्रदर्शन करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि फंड खराब है। हर इन्वेस्टमेंट प्रोडक्शन के उतार-चढ़ाव के चक्र होते हैं। अगर आपने किसी उद्देश्य के लिए निवेश किया है, जैसे बच्चे की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट, तो बीच में फंड बेचने की गलती न करें। इसके अलावा, सिर्फ इसलिए फंड न बेचें क्योंकि आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार किसी नए फंड में निवेश कर रहा है। वैसे निवेशकों को औसतन करीब 3-4% कम रिटर्न मिल सकता है क्योंकि वे गलत समय पर फंड बेच देते हैं, यानी निवेशक खुद अपने नुकसान के जिम्मेदार बन जाते हैं।

कब बेचना चाहिए फंड?

म्यूचुअल फंड में निवेश जितना जरूरी है, उतना ही अहम है सही समय पर उसे बेचना। फंड को बेचना किसी जल्दबाजी का नहीं बल्कि एक रणनीतिक फैसला होना चाहिए। अगर आपका फाइनेंशियल टारगेट जैसे बच्चे की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट पूरा हो गया है, तो मुनाफा बुक कर लेना समझदारी है। वहीं, अगर कोई फंड लगातार 2-3 साल से खराब प्रदर्शन कर रहा है या अपने बेंचमार्क से पिछड़ रहा है, तो इसे बदलने का समय आ गया है। जिंदगी में फाइनेंशियल बदलाव जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट की स्थिति में जोखिम कम करना चाहिए। इसके अलावा, जब मार्केट ऊंचाई पर हो, तब आंशिक मुनाफा निकालकर अपनी पूंजी सुरक्षित करना बेहतर प्लानिंग मानी जाती है।

फंड बेचने से पहले ये रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड बेचने से पहले जल्दबाजी में कोई कदम उठाना नुकसानदायक हो सकता है। सबसे पहले अपने फंड की पूरी समीक्षा करें, क्या फंड मैनेजर, निवेश प्लानिंग या खर्च संरचना में कोई बड़ा बदलाव हुआ है? अगर हां, तो स्थिति को समझकर निर्णय लें। किसी भी कदम से पहले अपने फाइनेंशियल सलाहकार की राय जरूर लें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। तो याद रखें, म्यूचुअल फंड एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट है इसलिए बाजार के उतार-चढ़ाव में घबराने की बजाय धैर्य रखें और अपनी वित्तीय योजना से भटकें नहीं। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में जबरदस्त ग्रोथ

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है। यह साबित करता है कि लोग अब पारंपरिक निवेश की बजाय म्यूचुअल फंड्स को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का साधन मान रहे हैं। हालांकि, केवल निवेश करना ही काफी नहीं है। सही समय पर फंड बेचना भी एक समझदार निवेशक की पहचान होती है। बाजार की स्थिति, अपने लक्ष्य और फंड के प्रदर्शन को समझकर निर्णय लेना ही सफल निवेश की कुंजी है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

कम कीमत में रॉयल्स में शामिल जडेजा, सीएसके में सैमसन की एंट्री, शमी समेत 8 खिलाड़ी ट्रेड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन की आईपीएल 2026 रिटेंशन की डेडलाइन से पहले अदला-बदली हो गई है। लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे जडेजा आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वहीं सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे।

सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स में

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान और भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन अब अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपए की फीस पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व करेंगे। लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक सैमसन ने 177 आईपीएल मैच खेले हैं। सीएसके उनके करियर की तीसरी फ्रैंचाइज होगी। 2013 में आईपीएल में डेब्यू करने के बाद से उन्होंने दो सीजन 2016 और 2017 को छोड़कर सभी सीजन में आरआर का प्रतिनिधित्व किया है। वह दो सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले।

संजू सैमसन 18 करोड़ में अब चेन्नई के लिए खेलेंगे

14 करोड़ की फीस में खेलेंगे जडेजा

सीएसके के लिए 12 सीजन खेल चुके जडेजा लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने 250 से ज़्यादा मैच खेले हैं। ट्रेड में उनकी फ़ीस 18 करोड़ रुपए से घटकर 14 करोड़ रुपए हो गई है।

लखनऊ के लिए खेलेंगे शमी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सनराइजर्स हैदराबाद से सफल ट्रेड के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलेंगे। आईपीएल 2025 सीजन से पहले हैदराबाद ने उन्हें 10 करोड़ रुपए में खरीदा था और वह अपनी मौजूदा फीस पर एलएसजी में शामिल हुए।

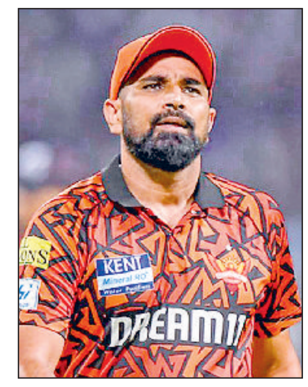

अर्जुन तेंदुलकर एलएसजी टीम में

ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस से सफल ट्रांसफर के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व करेंगे। अर्जुन अपनी मौजूदा 30 लाख रुपए की फीस पर एलएसजी में शामिल हुए। 2021 की आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस की ओर से पहली बार चुने गए थे, उन्होंने 2023 में फ्रैंचाइज के लिए अपना आईपीएल डेब्यू किया था।

नीतीश राणा दिल्ली में शामिल

बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा अब राजस्थान रॉयल्स से हुए ट्रेड के बाद दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह अपनी मौजूदा 4.2 करोड़ रुपए की फीस के साथ ही खेलेंगे। राणा ने 100 से ज़्यादा मैच खेले हैं। उन्होंने 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी।

फरेरा की राजस्थान में वापसी

ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा दिल्ली कैपिटल्स से हुए सफल ट्रेड के बाद अपनी पहली फ्रेंचाइज, राजस्थान रॉयल्स में वापसी करेंगे। ट्रांसफर समझौते के अनुसार उनकी फीस 75 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए कर दी गई है।

मयंक मार्कंडेय की मुंबई इंडियंस में वापसी

लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से सफल ट्रेड के बाद अपनी पूर्व फ्रेंचाइज मुंबई इंडियंस (एमआई) में वापसी करेंगे। वह 30 लाख रुपए की अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई में शामिल हुए। मार्कंडेय ने अपना आईपीएल करियर एमआई के साथ शुरू किया था और 2018, 2019 और 2022 में इस फ्रेंचाइज का प्रतिनिधित्व किया था।

सैम करन राजस्थान में शामिल

इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन अपनी मौजूदा लीग फीस 2.4 करोड़ रुपए पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में शामिल हुए. 27 साल के इस खिलाड़ी ने 64 आईपीएल मैच खेले हैं और राजस्थान रॉयल्स उनकी तीसरी फ्रैंचाइज होगी. इससे पहले वे 2019, 2023 और 2024 में पंजाब किंग्स और अन्य सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

खबर संक्षेप

एएफसी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में विलियम्स

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे फॉरवर्ड रयान विलियम्स को 18 नवंबर को ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर के अंतिम दौर के ग्रुप सी मैच के लिए 23 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है। विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिकता हासिल की है। भारतीय टीम छह नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी। टीम शनिवार को ढाका के लिए रवाना हो गई। फॉरवर्ड विलियम्स टीम के साथ बांग्लादेश गये है लेकिन मैच के दिन टीम में उनका शामिल होना फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया से अनापत्ति प्रमाण पत्र और उसके बाद फीफा और एएफसी से अनुमोदन प्राप्त करने पर निर्भर है।

लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स में हारकर बाहर

कुमामोतो। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन का 475,000 डॉलर इनामी कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान शनिवार को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोतो से तीन गेम में हार के साथ खत्म हो गया।

सातवीं वरीयता प्राप्त सेन छठी वरीयता प्राप्त निशिमोतो से 77 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। सेन का अपने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा था लेकिन अंतिम गेम में गलतियों के कारण वह इसको बेहतर करने में नाकाम रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सेन ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरते हुए निर्णायक गेम तक का सफर तय किया, लेकिन तीसरे गेम में वह पूरी तरह से लय में नहीं दिखे। यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच था लेकिन जापानी खिलाड़ी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच धैर्य बनाए रखा और आखिर में फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराया

रावलपिंडी। बाबर आजम के दो साल से अधिक समय में लगाए गए पहले अंतरराष्ट्रीय शतक की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। बाबर के 119 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में दो विकेट पर 289 रन बनाकर जीत हासिल की। श्रीलंका ने इससे पहले आठ विकेट पर 288 रन बनाए थे। उसके शीर्ष सात बल्लेबाजों में से छह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। बाबर ने खेले गए मैच से पहले सभी प्रारुपों में 83 पारियों में कोई अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया था।

कोलकाता टेस्ट दूसरा दिन: भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर रखा पलड़ा भारी

ईडन गार्डंस में विकेटों की पतझड़ एक दिन में 16 बल्लेबाज आउट

भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर सिमटी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

ईडन गार्डंस का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ और दिन भर में 16 विकेट गिरे, जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर अपना पलड़ा भारी रखकर पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर जीतने की संभावना बढ़ा दी। लेकिन भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि विकेट से स्पिनरों को मदद मिल रही है और इस पर 150 रन का लक्ष्य भी चुनौती पूर्ण हो सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर आउट हो गई और इस दौरान उसके बल्लेबाजों को साइमन हार्मर और केशव महाराज की स्पिन जोड़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा।

भारत को पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त

भारत ने पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन परिस्थितियों को देखकर यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना चिंता का विषय है क्योंकि पहली पारी में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद वह दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे। पहली पारी में 159 रन पर आउट होने वाले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और वह भारत से 63 रन आगे है। कप्तान तेम्बा बावुमा 78 गेंद पर 29 रन बनाकर एक छोर संभाले हुए हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े कोर्बिन बॉश एक रन बनाया है।

जडेजा की बलखाती गेंदों का चला जादू

जडेजा की बलखाती गेंदों का जादू चला और उन्होंने लगातार चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (04) का विकेट लेने के बाद वियान मुल्डर (11), टोनी डि जार्जी (02) और ट्रिस्टन स्टब्स (05) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की संभावनाओं को करारा झटका दिया। जडेजा ने अब तक 29 रन देकर चार, कुलदीप यादव ने 12 रन देकर दो और अक्षर पटेल ने 30 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत की पारी एक तरह से नौ विकेट पर समाप्त हुई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल स्लॉग स्वीप के दौरान गर्दन में ऐंठन के कारण चोटिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए वापस नहीं लौटे।

हार्मर ने 30 रन देकर चार विकेट चटकाए

हार्मर ने क्लब हाउस छोर से लगातार 14.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे धीमी और खुरदरी पिचों पर रविचंद्रन अश्विन के प्रभाव की यादें ताजा हो गईं। उन्होंने भारत के बाएं हाथ के छह बल्लेबाजों को लगातार निशाना बनाया और उनमें से तीन बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर (29), रवींद्र जडेजा (27) और अक्षर पटेल (16) को आउट किया।

ऑलराउंडरों के विशिष्ट क्लब में जडेजा

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 4 हजार रन पूरे किए और खेल के सबसे लंबे प्रारुप में 4 हजार टेस्ट रन और कम से कम 300 विकेट लेने वाले ऑलराउंडरों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया। जडेजा ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की।

पंत ने छक्के लगाने में सहवाग को पछाड़ा

रैंक	खिलाड़ी	छक्के	टेस्ट
1	ऋषभ पंत	92	48
2	वीरेंद्र सहवाग	90	103
3	रोहित शर्मा	88	67
4	रवींद्र जडेजा	80	88
5	महेंद्र सिंह धोनी	78	90
6	सचिन तेंदुलकर	69	200
7	कपिल देव	61	131
8	सौरव गांगुली	57	113
9	शुभमन गिल	46	40
10	यशस्वी जायसवाल	43	27

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी 159/10

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जयसवाल बो यानसन	12	27	3	0
राहुल का मारक्रम बो महाराज	39	119	4	1
सुंदर का मारक्रम बो हार्मर	29	82	2	1
गिल रिटायर हार्ट	04	03	1	0
पंत का वेरेने बो बॉश	27	24	2	2
जडेजा पगबाधा हार्मर	27	45	3	0
जुरेल का एवं बो हार्मर	14	14	3	0
अक्षर का यानसन बो हार्मर	16	45	2	0
यादव का वेरेने बो यानसन	01	08	0	0
सिराज बो यानसन	01	09	0	0
बुमराह नाबाद	01	03	0	0

अतिरिक्त 18, कुल योग : 62.2 ओवर में 189/10 रन
गेंदबाजी: यानसन 15-4-35-3, मुल्डर 5-1-15-0, महाराज 16-1-66-1, बॉश 11-4-32-1, हार्मर 15.2-4-30-4

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
रिकेलटन पगबाधा कुलदीप	11	23	1	0
मारक्रम का जुरेल बो जडेजा	04	23	0	0
मुल्डर का पंत बो जडेजा	11	30	0	1
बावुमा खेल रहे हैं	29	78	3	0
जोर्जी का जुरेल बो जडेजा	02	02	0	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा	05	18	0	0
काइल वेरेने बो अक्षर	09	16	1	0
यानसन का राहुल बो कुलदीप	13	16	0	1
कोर्बिन बॉश खेल रहे हैं	01	04	0	0

अतिरिक्त: 08, कुल योग: 35 ओवर में 93/7 रन
गेंदबाजी: बुमराह 6-1-14-0, अक्षर 11-0-30-1, कुलदीप 5-1-12-1, जडेजा 13-3-29-4

विश्व मुक्केबाजी फाइनल्स आज से, दमदार प्रदर्शन पर भारत की निगाह

ग्रेटर नोएडा। भारतीय मुक्केबाज जब रविवार से शुरू हो रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में उतरेंगे तो उनका लक्ष्य सत्र का शानदार अंत करने के साथ ही महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करना भी होगा। मुक्केबाजी के संचालन का कार्य जब से वर्ल्ड बॉक्सिंग ने संभाला है तब से इस साल के शुरू में विश्व कप की शुरुआत की गई और अब उसका फाइनल्स होगा। मुक्केबाज सभी प्रमुख टूर्नामेंटों में रैंकिंग अंक अर्जित करते हैं, जो वरीयता निर्धारण में भूमिका निभाते हैं। अगले वर्ष एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल होने वाले हैं, इसलिए ये अंक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। प्रारुप के अनुसार इस वर्ष के शुरू में आयोजित किए गए तीन विश्व कप के पदक विजेता खिलाड़ियों ने शीर्ष रैंकिंग वाले मुक्केबाजों के साथ फाइनल्स में जगह बनाई है।

विश्व चैंपियन निकहत जरीन पर होगी नजरें

भारत मेजबान होने के कारण पुरुष और महिला दोनों के सभी भार वर्गों में अपनी चुनौती पेश करेगा। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) महिला टीम की प्रमुख खिलाड़ी हैं। तेलंगाना की इस मुक्केबाज ने इस साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), विश्व पदक विजेता पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपनी अच्छी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। प्रीति पवार (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और परवीन हुड्डा (60 किग्रा) राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं और वह अपने खेल से प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे।

एमसीए ने स्मृति को किया पुरस्कृत

मुंबई। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) ने भारतीय टीम की उप-कप्तान और कलात्मक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भारतीय महिला टीम को विश्व चैंपियन बनाने के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 50 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया। मंधाना ने विश्व कप में 54.25 की प्रभावशाली औसत से 434 रन बनाए थे। वह सबसे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर थी। मंधाना ने कहा, 'मैंने महाराष्ट्र के लिए आयु-वर्ग क्रिकेट खेलकर अपनी क्रिकेट यात्रा शुरू की और अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'हमारी विश्व कप जीत टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम था।

पाक से हाथ न मिलाने की नीति पर कायम रहेगा भारत

एजेंसी ▶▶| दोहा

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रविवार को राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 मैच में पाकिस्तान शाहीन्स के आक्रमण को स्तब्ध रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए टीम भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की हाथ नहीं मिलाने की नीति का पालन करेगी। सितंबर में एशिया कप के दौरान भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। उस टूर्नामेंट में दूसरे विकेटकीपर और वर्तमान टूर्नामेंट में भारत ए के कप्तान जितेश से भी उम्मीद की जा रही है कि वह अपने सीनियर के नक्शेकदम पर चलते हुए पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान खान से न तो टॉस के समय और न ही मैच के बाद हाथ मिलाएंगे।

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उबैद शाह से होगी, जो सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नसीम शाह के छोटे भाई हैं। भारतीय टीम में अधिकतर वह खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम में जितेश और रमनदीप सिंह ही दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सीनियर टीम की तरफ से अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान ने नौ वनडे खेले हैं।

विश्व कप में क्रोएशिया की जगह पक्की, फरो आइलैंड्स को हराया

लंदन। क्रोएशिया ने फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह पक्की कर ली, जबकि नीदरलैंड पोलैंड के साथ ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन के करीब पहुंच गया। क्रोएशिया को विश्व कप में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। फरो आइलैंड्स की तरफ से डेविड टूरी ने गोल किया। क्रोएशिया ने हालांकि जल्द ही वापसी की। उसके लिए 23वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल ने बराबरी का गोल दागा। दो साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए पेटार मूसा ने जोसिप स्टानिसिक की मदद से हाफटाइम के बाद क्रोएशिया को 2-1 से आगे कर दिया। उसकी तरफ से तीसरा गोल निकोला व्लासिक ने किया। नीदरलैंड ने वारसॉ में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पोलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप जी में सीधे प्रवेश की तरफ बड़ा कदम बढ़ाया।

आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी लॉन्च

बैंकॉक। भारत में महिला विश्व कप की शानदार सफलता के बाद आईसीसी ने 'दुनिया भर में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और विस्तार देने' के लिए आठ टीमों वाला एक नया वैश्विक टूर्नामेंट शुरू किया। बैंकॉक में 20 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले इसके शुरुआती सत्र को आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी कहा जाएगा और यह उभरते हुए क्रिकेट देशों को बड़े मंच का अनुभव प्रदान करने के लिए शुरू किए गए एक नए त्रि-स्तरीय विकास प्रणाली का हिस्सा होगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्र./जोन-3/न.नि./ 2025/385 — // ई-प्राक्यूरमेंट निविदा सूचना // — 303 भिलाई, दिनांक 11/11/25

लोक कर्म विभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई टेंडर आमंत्रित की गई है। जिसका विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम टेंडर नं.	अनुमानित निविदा लागत (लाख में)	अमानत राशि	श्रेणी	ई-टेंडर आमंत्रण दिनांक
01	जोन क्र.-03 क्षेत्रांतर्गत वार्ड-31 बैंकुण्ठधाम स्वागत द्वार से लेकर स्वास्थ्य कार्यालय तक एवं वार्ड-35 किशन चौक से पप्पू चौक होते हुए 01 नंबर पंप हाउस तक डामरीकरण कार्य।	179081	134.03	102000.00	द से प्रवर श्रेणी	10.11.2025 से 02.12.2025 तक

नोट :- 1. धरोहर राशि offline जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 04.12.2025 शाम 5.30 बजे तक कार्यपालन अभियंता/जोन आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई के पक्ष में निक्षेप होगा। 2. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्राक्यूरमेंट वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in में उपयुक्त श्रेणी में सम्मिलित होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिये वेबसाइट पर देखें।

जोन आयुक्त, जोन-3

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विशाल उर्फ करन पुत्र बाबू लाल निवासी म. नं. 108, पॉकेट-ए, सीमेंट गोदान के पास, रघुबीर नगर, दिल्ली और एम-15/2, टी-हट, सब्जी मण्डी, रघुबीर नगर, दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 035651/2019 अन्तर्गत धारा 411 आईपीसी थाना नांगलोई, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल उर्फ करन** मिल नहीं रहा है और मुझे सामाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल उर्फ करन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 035651/2019 अन्तर्गत धारा 411 आईपीसी थाना नांगलोई, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विशाल उर्फ करन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
विजयश्री राठौर
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-10
पश्चिम, कोर्ट नं. 345
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/15212/OD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कमलेश पुत्र** सुन्दर **निवासः** म.नं. 41, शुक्र बाज़ार, निलोठी एक्सटेंशन, चन्द्र विहार, दिल्ली ने **FIR No. 1084/22 U/s 33/38 Delhi Excise Act. थानाः निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कमलेश** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कमलेश** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1084/22 U/s 33/38 Delhi Excise Act. थानाः निहाल विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **कमलेश** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कोमल गर्ग
एलडी. जेएमएफसी-03 (पश्चिम)
कमरा नं. 292, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/15402/OD/2025
(Court Notice)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **मुन्ना, पुत्रः** प्रफुल, पताः मकान न. - सी-93, गली न. 2, विश्वानाथ पुरी, भलस्वा डेरी, दिल्ली, ने **FIR No.: 556/2019, U/s: 380/457/411 IPC,** थानाः द्वारका नार्थ, **नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **मुन्ना,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **मुन्ना,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 556/2019, U/s: 380/457/411 IPC,** थानाः द्वारका नार्थ, **नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **मुन्ना,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 22.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री नीतिका कपूर
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-06
दक्षिण-पूर्व जिला, कमरा न. 514
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/15262/DW/2025
(Court Matter)

इस वर्ष 16 से 27 नवंबर तक चलेगा युद्धाभ्यास का आठवां संस्करण

आज से गरुड़ युद्धाभ्यास में अपना हवाई युद्धकौशल दिखाएंगी भारत-फ्रांस की वायुसेनाएं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई सुरक्षा चुनौतियों के बीच रविवार, 16 नवंबर से भारत और फ्रांस की वायुसेनाओं के बीच द्विपक्षीय 'गरुड़-2025 युद्धाभ्यास' की शुरुआत होगी। इस वर्ष फ्रांस के मोंट-डे-मार्सन में इसके आठवें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। जो 16 नवंबर से शुरू होकर 27 नवंबर को समाप्त होगा। युद्धाभ्यास से दोनों वायुसेनाओं के संबंधों के अलावा भारत-फ्रांस के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को भी और अधिक मजबूती मिलेगी। वायुसेना ने शनिवार को बताया कि युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए वायु योद्धाओं की एक टुकड़ी बीते 10 नवंबर को ही फ्रांस पहुंच गई है। इस बार गरुड़ युद्धाभ्यास में बल के अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई भाग लेंगे। वायुसेना के दस्ते को फ्रांस पहुंचाने और वापस स्वदेश लाने की जिम्मेदारी सी-17 ग्लोबमास्टर-3 विमान निभा रहा है। इसके अलावा अभ्यास में भाग लेने वाले लड़ाकू विमानों की रेंज और स्थायित्व में वृद्धि करने के लिए वायुसेना के आईएल-78 टैंकरों का उपयोग किया जा रहा है। जो जंगी व अन्य विमानों में हवा में ईंधन भरने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

गरुड़ युद्धाभ्यास से होगा यह लाभ

इस अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक प्रचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना, दोनों वायुसेनाओं के बीच रक्षा सहयोग में इजाफा करना, अंतर-संचालन क्षमता में बढ़ोतरी और दोनों हवाई सैन्य बलों की अच्छी आदतों का आदान-प्रदान करने के अलावा पारस्परिक शिक्षा को सक्षम बनाना है। गरुड़ युद्धाभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना का सुखोई विमान फ्रांस के बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों यानी राफेल के साथ जटिल कृत्रिम हवाई युद्ध परिदृश्यों, हवा से हवा में युद्ध, वायु रक्षा-संयुक्त हमले से जुड़े अभियानों पर केंद्रित प्रचालन गतिविधियों में शामिल होगा।

प्रदर्शित होती वायुसेना की प्रतिबद्धता

गरुड़ में वायुसेना की भागीदारी बहुपक्षीय अभ्यासों के माध्यम से मित्र देशों की वायुसेनाओं के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और वायु संचालन के क्षेत्र में आपसी समझ व सहयोग को बढ़ावा देने की वायुसेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह युद्धाभ्यास दोनों हवाई बलों को व्यावसायिक संवाद, परिचालनगत ज्ञान को आपस में साझा करने और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है।

खबर संक्षेप

लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का इस्तीफा

लाहौर। पाकिस्तान में लाहौर उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ न्यायाधीश शम्स महमूद मिर्जा ने उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों के इस्तीफे के बाद पद छोड़ दिया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने एक नया संवैधानिक संशोधन लागू करने के माध्यम से संविधान और न्यायपालिका पर हमले का विरोध करते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। संशोधन के तहत, सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को 2030 तक रक्षा बलों के प्रमुख के रूप में पद पर बने रहने की अनुमति भी मिल जाएगी।

सिंगापुर जा रहे तेल जहाज को ईरान ने रोका

तेहरान। ईरान ने मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाले तेल टैंकर को जब्त करने की शनिवार को पुष्टि की। इसने कहा कि टैंकर को तब जब्त किया गया जब यह अवैध खेप ले जाने सहित विभिन्न नियमों का उल्लंघन कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहा था। रिवोल्यूशनरी गार्ड के हवाले से कहा कि टैंकर को ईरानी जलक्षेत्र में ले जाया गया है। तेल टैंकर की पहचान 'तलारा' के रूप में की गई और कहा गया कि इसमें 30,000 टन पेट्रोकेमिकल उत्पाद थे। यह जहाज सिंगापुर जा रहा था जिसे ईरानी सेना ने रोक लिया।

तालिबान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने वाले पाकिस्तान को भारत की खरी-खरी...

यूएन की समितियों के जिम्मेदार पदों पर पारदर्शी होनी चाहिए चयन प्रक्रियाः पी. हरीश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वर्तमान में पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में दो महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहा है। जिसमें एक तरफ वह तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष है। तो वहीं, दूसरी तरफ आतंकवाद रोधी समिति का सह-अध्यक्ष है। हाल ही में परिषद की कार्यप्रणाली विषय पर एक बहस हुई। जिसमें भारत की तरफ से संयुक्त राष्ट्र में वरिष्ठ राजदूत पी. हरीश ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर उसे आईना दिखा दिया।

उन्होंने कहा कि यूएनएससी की समितियों में निहित स्वार्थ वाले सदस्यों को अध्यक्ष या उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देने से रोका जानी चाहिए। इसके अलावा इन समितियों में दोनों पदों पर की जाने वाली चयन की प्रक्रिया में गोपनीयता से भी पर्दा हटाया जाना चाहिए। चयन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध बनाने का आह्वान भी भारतीय राजदूत ने किया।

प्रभावित हुई मुत्ताकी की भारत यात्रा

गौरतलब है कि तालिबान से संबंधित यूएन की प्रतिबंध समिति को 1988 समिति के नाम से भी जाना जाता है। इसके पास अफगानिस्तान की मौजूदा अंतरिम तालिबान सरकार के मंत्रियों की विदेश यात्राओं, हथियारों पर प्रतिबंध लगाने और उनकी संपत्तियों को फ्रीज करने का अधिकार है। पिछले अक्टूबर महीने में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा के तहत नई दिल्ली आए थे। जिसमें यूएन की इसी समिति की ओर से उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति देने में लगाए गए समय की वजह से विलंब हुआ था। पाकिस्तान यूएन की आतंकवाद रोधी समिति का सह-अध्यक्ष भी है। जबकि जमीनी स्तर पर वह कई आतंकवादी संगठनों और उनके प्रमुखों को अपने देश में सुरक्षित रूप से पनाह दिए हुए है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच तनाव जारी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंधों में तनातनी बनी हुई है। जिसके पीछे दोनों देशों के मध्य अंग्रेजों द्वारा घोषित की गई अंतरराष्ट्रीय सीमा यानी डूरंड लाइन का मसला मुख्य रूप से शामिल है। पाकिस्तान ने इसे सीमा के रूप में स्वीकार कर उस पर बाड़बंदी की है। जिसे अफगानिस्तान और खासतौर पर उसके और अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाली पश्तून आबादी अस्वीकार करती है। इनके अधिकारों की रक्षा के नाम पर तहरीक-ए-तालिबान (पाकिस्तान), टीटीपी नामक संगठन और पाकिस्तान की सेना के बीच गतिरोध बना हुआ है।

सेना की गजराज कोर का पहला अनोखा आविष्कार, एक बार में भेजा जाता 300 किलो से ज्यादा सामान

16 हजार फीट की दुर्गम ऊंचाई पर 'मोनोरेल' से पहुंचता सैन्य साजो-सामान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अरुणाचल-प्रदेश के दुर्गम ऊंचाई वाले सरहदी इलाकों में सेना के लिए आमतौर पर रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली चीजों के अलावा अन्य जरूरी रसद (गोलाबारूद, मुश्किल स्टोर, राशन, ईंधन, इंजीनियरिंग उपकरण) की सप्लाई करना किसी टेढ़ी खीर से कम नहीं है। स्थान की भौगोलिक परिस्थिति और जटिल मौसम की चुनौती साल के 365 दिन बनी रहती है। लेकिन अब सेना की चौथी कोर के नाम से विख्यात गजराज कोर ने 16 हजार फीट की ऊंचाई पर पहली बार 'हाई एल्टीट्यूड मोनोरेल' चलाकर एक ऐसा अनोखा कारनामा किया है। जो इस समस्या का बड़ा समाधान बनकर उभरी है।

भेजा जाता 300 किलो से ज्यादा सामान

सेना ने बताया कि अरुणाचल-प्रदेश में खासतौर पर कामेंग सेक्टर में मौजूद सेना की ऊंचाई पर स्थित पोस्ट तक सर्दियों के मौसम में भारी बर्फबारी की वजह से सप्लाई को नियमित रूप से बरकरार रखना बेहद मुश्किल होता है। लेकिन अब पूरी तरह से स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम के इस नए नवाचार की मदद से इसमें काफी राहत मिली है। जिसकी मदद से एक बार में बाकी देश से पूरी तरह से कट जाने वाली (संचार और सप्लाई) सेना की पोस्ट तक 300 किलोग्राम से अधिक सामान को पहुंचाया जा सकता है। एक वीडियो के जरिए सेना ने इसकी पुष्टि की है।

पूरी तरह ऑपरेशनल हुआ सिस्टम

यह सिस्टम पूरी तरह से ऑपरेशनल हो चुका है और अब इसके जरिए सूबे के तमाम सुदूर इलाकों में जरूरी सप्लाई भेजी जा रही है। मोनोरेल की यह यातायात सुविधा दिन और रात दोनों समय में रक्षक (एस्कार्ट) के साथ और उसके बिना प्रयोग की जा सकती है। इसमें ओलावृष्टि या अन्य जटिल मौसमी परिस्थितियां शामिल हैं। सिस्टम की मदद से

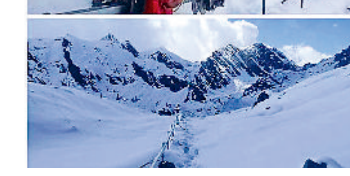

इलाकों में किसी आपात परिस्थिति में तेजी से घायलों के लिए बचाव अभियान चलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सहायता प्रदान की जा सकती है। ये ऐसी सैन्य पोस्ट होंगी जहां आपदा के समय पर हेलीकॉप्टरों का हमेशा उतरना संभव नहीं होगा। जबकि सामान्य मानवी द्वारा कदमों के जरिए चलकर घटनास्थल तक पहुंचना काफी धीमी प्रक्रिया के साथ ही जोखिम से भरा रह सकता है। गजराज कोर के इस नवाचार से सेना की रणनीतिक तैयारियों को और अधिक मजबूती मिलेगी। जो सेना के जटिल चुनौतियों के निदान की प्रतिबद्धता के साथ ही प्रायोगिक, मिशन केंद्रित समाधान की मिसाल पेश करता है।

असम, अरुणाचल में निगरानी करती कोर

गौरतलब है कि सेना की चौथी कोर को गजराज कोर के नाम से जाना जाता है। इसके अधिकार क्षेत्र में चीन से लगा हुआ असम और अरुणाचल प्रदेश का सैन्य-सीमाई क्षेत्र आता है। असम के तेजपुर में कोर का मुख्यालय है। देश की आजादी से पहले द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1942 में इस कोर की स्थापना असम की सुरक्षा के लिए की गई थी। लेकिन इसके करीब तीन साल के बाद 1945 में इसे विघटित कर दिया गया था। लेकिन आजादी के बाद भारत और चीन के बीच वर्ष 1962 के युद्ध से ठीक पहले अक्टूबर महीने में इसका फिर से गठन किया गया।

अमेरिका ने नेवादा साइट में गुप्त रूप से किया बी 61-12 परमाणु बम का टेस्ट

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के मीडिया रिपोर्टस के अनुसार अमेरिका ने बिलकुल गुपचुप तरीके से और बिना किसी शोर-शराबे के परमाणु परीक्षण को अंजाम दे दिया है। अमेरिका ने यह परमाणु परीक्षण अपनी उसी नेवादा साइट पर किया है, जो उसका प्रमुख केंद्र है। रूसी मीडिया का दावा है कि अमेरिका ने चुपचाप बी61-12 परमाणु बम का परीक्षण कर लिया

है मगर इसका किसी को पता नहीं चलने दिया। हैरानी की बात है कि यह परीक्षण अमेरिका ने अगस्त के महीने में ही पूरा कर लिया। जबकि राष्ट्रपति ट्रंप का परमाणु परीक्षण करने वाला बयान इसके बाद आया है, जिसमें वह कह रहे थे कि अब अमेरिका परमाणु परीक्षण करना चाहता है। यानी साफ है कि ट्रंप परमाणु परीक्षण कर लेने के बाद ऐसा बयान दे रहे थे, ताकि वह राज छुपा रहे। मगर अब पोल खुल गई है।

एडमिरल त्रिपाठी की वरिष्ठ अमेरिकी नौसैन्य अधिकारियों के साथ हुई बातचीत का निष्कर्ष

भारत और अमेरिका के बीच समुद्री सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

50 फीसदी टैरिफ के मुद्दे पर द्विपक्षीय संबंधों में बने हुए तनाव के बीच नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की अमेरिका यात्रा जारी है। जिसमें उन्होंने अमेरिका की नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों जैसे हिंद-प्रशांत कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे.पापारो, अमेरिका के प्रशांत बेड़े के कमांडर एडमिरल स्टीफन.टी.कोहलर और अमेरिकी प्रशांत क्षेत्र के समुद्री बल कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जेम्स एफ ग्लिन के साथ मुलाकात की है। इन सभी उच्च-स्तरीय मुलाकातों या बैठकों में रक्षा सहयोग के अहम स्तंभों (समुद्री सुरक्षा, सहयोग, अंतर-परिचालन क्षमता और भारत-प्रशांत क्षेत्र में परिचालन जुड़ाव का विस्तार करना) की समीक्षा की गई है। नौसेना ने एक्स पोस्ट में बताया कि पारस्परिक समुद्री हित के प्राथमिकता वाले क्षेत्र भी वार्ता का हिस्सा बनें। जिसमें गहन सूचना साझा करने, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और आईपीएमडीए तंत्रों पर निर्माण-आईएफसी-आईओआर के बीच संबंध शामिल है। यहां बता दें कि नौसेनाप्रमुख बीते 12 से 17 नवंबर तक अमेरिका की यात्रा पर हैं। उनकी ये तमाम बैठकें इसी के तहत जारी हैं।

स्थायी साझेदारी की हुई पुष्टि

दोनों नौसेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुआ यह संवाद भारत और अमेरिका के बीच स्थायी साझेदारी की पुष्टि करता है। इसके अलावा अमेरिकी मरीन और संयुक्त बलों के साथ बढ़ते तालमेल का भी प्रतीक है। यह तथ्य आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और एक स्वतंत्र, खुले हुए-समावेशी और नियम आधारित हिंद-प्रशांत के लिए प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है। बातचीत में समुद्री संचार लाइनों व महत्वपूर्ण समुद्री अवसंरचना की सुरक्षा करना, एचएडीआर-एसएआर मिशन, समुद्री डकैती निरोधक और गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के लिए प्रतिक्रियाएं जैसे विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

साइबर-अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग

संयुक्त युद्ध, रसद और निरंतरता को और अधिक बढ़ावा देने के लिए जटिल-नियमित द्विपक्षीय, बहुपक्षीय युद्धाभ्यास (मालाबार, पैसैक्स, सीएमएफ और मिलन) को बढ़ावा देने पर भी दोनों समुद्री बल सहमत हैं। उभरते हुए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी दोनों पक्ष एकमत हैं। जिनमें मानव रहित प्रणालियां, आईएसआर, साइबर और अंतरिक्ष सक्षम समुद्री परिचालन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से होगी मुलाकात, द्विपक्षीय व क्षेत्रीय-वैश्विक मामलों पर करेंगे चर्चा

अगले सप्ताह सोमवार से रूस की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी टैरिफ संकट और यूक्रेन युद्ध के मध्य अगले सप्ताह सोमवार से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर रूस की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जो कि दो दिवसीय (17 से 18 नवंबर तक) होगी। इस वर्ष रूस शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक की मेजबानी कर रहा है। जिसमें भारत की तरफ से डॉ. जयशंकर के साथ एक प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। 17 नवंबर को मॉस्को में भारत और रूस के विदेश मंत्रियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। जिसमें आगामी राजनीतिक संपर्कों (राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से जुड़ी

तैयारियों का मसला शामिल), जरूरी द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर विस्तृत रूप चर्चा की जाएगी। रूस के विदेश मंत्रालय ने हाल ही में भारतीय विदेश मंत्री की इस यात्रा की पुष्टि करते हुए बताया था कि राजधानी मॉस्को में विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की अपने भारतीय समकक्ष विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के साथ मुलाकात होगी।

वार्ता के केंद्र में रहेंगे यह मुद्दे

रूसी मंत्रालय ने यह भी बताया कि दोनों विदेश मंत्रियों की बातचीत में आगामी राजनीतिक संपर्कों, द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जिनका संबंध खासतौर पर भारत और रूस के बीच बने हुए निरंतर सहयोग से जुड़ा हुआ है। यहां बता दें कि पूर्व में अमेरिका के न्यूयॉर्क में आयोजित किए गए संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80 वें सत्र के दौरान दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी।

टैरिफ को लेकर अमेरिकी सख्ती बरकरार

इन सबके बीच टैरिफ के संबंध में अमेरिका के रुख में फिलहाल कोई परिवर्तन नहीं आया है। उसने भारत की रूस से जारी कच्चे तेल की खरीद को लेकर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। जबकि रूस पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से जारी अपनी समूची तेल खरीद पर रोक लगा दे। क्योंकि यह एक प्रकार से मौजूदा यूक्रेन युद्ध के दौरान नई दिल्ली द्वारा मॉस्को को युद्ध को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने जैसा है। भारत और रूस दोनों देशों ने अमेरिका के टैरिफ के निर्णय की आलोचना करते हुए इसे पूरी तरह से अनुचित और अविवेकपूर्ण करार दिया है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था कि भारत की तेल खरीद घरेलू स्तर पर उसके उपभोक्ताओं की ऊर्जा संबंधी जरूरतों पर आधारित है। जिसमें वैश्विक परिस्थितियां और बाजारों की स्थिति का आकलन भी शामिल है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109